twitter.com/divyadelhi | facebook.com/divyadelhi | infodivyadelhi@gmail.com | Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शुक्रवार, 08 अगस्त, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 263, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

चुनाव आयोग ने बीजेपी के साथ चुनाव चुराया: राहुल

चुनाव आयोग के साथ मिलकर सत्ताधारी दल कर रहा 'आपराधिक धोखाधड़ी'

नई दिल्ली

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग पर करारा हमला बोला है। उन्होंने विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि- महाराष्ट्र में 40 लाख वोट रहस्यमयी तरीके से जोड़े गए हैं। राहुल गांधी का आरोप है लोकसभा चुनाव 2024 और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के बीच इन मतदाताओं को जोड़ा गया है।

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर राहुल गांधी हमलावर

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बीते कुछ समय से चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर लगातार हमलावर हैं। उन्होंने महाराष्ट्र, कर्नाटक और कुछ अन्य जगहों की मतदाता सूची के आधार पर चौंकाने वाले दावे किए हैं। मतदाता सूची में जोड़े गए हजारों-लाखों नाम का उल्लेख करते हुए राहुल ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन न करते हुए वोट की चोरी की जा रही है। उन्होंने कई आंकड़ों का हवाला देते हुए चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा किया और कहा कि आयोग की विश्वसनीयता संदेह के घेरे में है।

'भाजपा के लिए की जा रही है वोटों की चोरी'

राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी की तरफ से जुटाए गए सबूतों का जिक्र करते हुए कहा कि वोटों की चोरी भाजपा के लिए की जा रही है। मतदाता सूची के मुद्दे पर कांग्रेस सांसद ने सवाल किया कि आयोग इस मुद्दे पर जवाब क्यों नहीं दे रहा है। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में चंद महीने में लाखों मतदाताओं के नाम सूची में जोड़े गए, जो काफी चिंताजनक है। राहुल का कहना है कि, शाम पांच बजे के बाद वोटर टर्नआउट का बढ़ना भी हैरान करने वाला है।

महाराष्ट्र में भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत

नवंबर 2024 में कराए गए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा, चुनाव परिणाम की घोषणा के बाद हमारे संदेह की पुष्टि हुई कि विधानसभा चुनाव में 'धांधली' हुई... मशीन में पढ़ी जा सकने वाली मतदाता सूची नहीं मुहैया कराए जाने से हमें यकीन हो गया कि चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र में चुनाव में 'धांधली' के लिए भाजपा के साथ मिलीभगत की है।

मतदाता सूची इस देश की संपत्ति है- राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा, 'महाराष्ट्र में, 5 महीनों में 5 साल से ज्यादा मतदाताओं के जुड़ने से हमारा संदेह बढ़ा और फिर शाम 5 बजे

वोटों की चोरी पकड़ने में छह महीने का वक्त लगा- राहुल गांधी

इस दौरान राहुल गांधी ने सवाल पूछा- शाम पांच बजे के बाद वोटिंग क्यों बढ़े? चुनाव आयोग इसका जवाब दें। राहुल गांधी ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी ने वोटों की धांधली के मामले में चुनाव आयोग से सवाल पूछे हैं, लेकिन आयोग ने एक भी जवाब नहीं दिया। इस दौरान राहुल गांधी ने दावा किया कि हमें वोटों की चोरी पकड़ने में छह महीने का वक्त लगा है।

कर्नाटक में भी फर्जी मतदाता होने का दावा

कांग्रेस सांसद ने महाराष्ट्र के अलावा एक अन्य राज्य को लेकर भी चौंकाने वाला दावा किया। बकौल राहुल गांधी, कर्नाटक की महादेवपुरा विधानसभा सीट पर 6.5 लाख वोटों में से 1 लाख से अधिक वोटों की 'वोट चोरी' हुई। कांग्रेस के शोध में कर्नाटक के महादेवपुरा निर्वाचन क्षेत्र में एक लाख से अधिक फर्जी मतदाता, अवैध पते और बड़ी संख्या में मतदाता (बल्क वोटर्स) पाए गए।

पूरे देश में बड़े पैमाने पर 'आपराधिक धोखाधड़ी'

देशभर में चुनाव कराने की एकमात्र सांविधानिक इकाई- निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, सत्तारूढ़ पार्टी चुनाव आयोग के साथ मिलकर पूरे देश में बड़े पैमाने पर 'आपराधिक धोखाधड़ी' कर रही है। 'चुनावी धोखाधड़ी' का यह अपराध संविधान के विरुद्ध है। इसे पूरे देश में बड़े पैमाने पर अंजाम दिया जा रहा है।

भाजपा सत्ता-विरोधी भावना से ग्रस्त नहीं- राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा, 'सत्ता-विरोधी भावना एक ऐसी चीज है जो हर लोकतंत्र में हर पार्टी को प्रभावित करती है। लेकिन किसी कारण से, भाजपा लोकतांत्रिक ढांचे में एकमात्र ऐसी पार्टी है जो मूल रूप से सत्ता-विरोधी भावना से ग्रस्त नहीं है। एग्जिट पोल, ओपिनियन पोल एक बात कहते हैं, आपने हरियाणा चुनाव में देखा, आपने मध्य प्रदेश चुनाव में देखा और फिर अचानक परिणाम बड़े पैमाने पर बदलाव के साथ पूरी तरह से अलग दिशा में चले जाते हैं। इसमें हमारा अपना आंतरिक सर्वेक्षण भी शामिल है, जो काफी परिष्कृत है।'

ऐसे 40 हजार वोटर हैं जिनके पते शून्य है- राहुल गांधी

राहुल गांधी ने आगे कहा, 'ऐसे 40 हजार वोटर हैं जिनके पते शून्य है या फिर है ही नहीं... अलग-अलग नाम और अलग-अलग परिवार के लोग और जब हम वहां जाते हैं तो पता चलता है कि वहां कोई रहता ही नहीं है... चुनाव आयोग के मुताबिक इन पतों पर कई लोग रहते हैं लेकिन जब हम वहां जाते हैं तो पता चलता है कि वहां कोई रहता ही नहीं है... वोटर लिस्ट में कई लोगों की तस्वीरें नहीं हैं और अगर है भी तो ऐसी जिन्हें देखकर मतदाताओं की पहचान ही नहीं हो सकती।'

राहुल गांधी का चुनाव आयोग पर आरोप

राहुल गांधी ने कहा, 'यह एक चुनौती है। यह सात फीट का कागज है। मान लीजिए मुझे यह पता लगाना है कि क्या आपने दो बार वोट दिया है या आपका नाम मतदाता सूची में दो बार है, तो मुझे आपकी तस्वीर लेनी होगी और फिर उसे कागज के हर टुकड़े से मिलाना होगा। यही प्रक्रिया है, और यह बहुत ही थकाऊ प्रक्रिया है। मैंने शुरू में सोचा था कि हम कई सीटों पर चुनाव लड़ेंगे, लेकिन जब हमें इसका सामना करना पड़ा, तो हमें समझ आया कि चुनाव आयोग हमें इलेक्ट्रॉनिक डेटा क्यों नहीं देता। क्योंकि वे नहीं चाहते कि हम ध्यान से देखें। इस काम में हमें छह महीने लगे... अगर चुनाव आयोग हमें इलेक्ट्रॉनिक डेटा देता, तो हमें 30 सेकंड लगते। मैं दोहराता हूं, इसीलिए हमें इस तरह का डेटा दिया जा रहा है, ताकि उसका विश्लेषण न हो... इन कागजों में ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन की सुविधा नहीं है। इसलिए अगर आप इन्हें स्कैन भी करते हैं, तो आप इनसे डेटा नहीं निकाल सकते। चुनाव आयोग इन कागजों की सुरक्षा क्यों कर रहा है?

जीएसटी धोखाधड़ी: ईडी का तीन राज्यों में 12 ठिकानों पर छापा

नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 750 करोड़ रुपये के फर्जी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) चालान बनाने के मामले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में छापे मारे हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत तीनों राज्यों में 12 ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई की है। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि ईडी धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत चल रही जांच के सिलसिले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में 12 ठिकानों पर तलाशी ले रहा है। यह मामला फर्जी संस्थाओं और अनधिकृत वित्तीय चैनलों से जुड़े बड़े पैमाने पर फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) धोखाधड़ी से संबंधित है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय जांए एजेंसी की यह कार्रवाई शिव कुमार देवड़ा की गिरफ्तारी से शुरू हुई, जिसकी पहचान इस सिंडिकेट के मुख्य मास्टरमाइंड के रूप में हुई है। मई, 2025 में उसकी गिरफ्तारी के बाद पिछले महीने उसे चार्जशीट किया गया था।

खाद्य तेल डेटा अनुपालन को बढ़ावा देने के लिए आदेश में संशोधन

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने खाद्य तेल डेटा अनुपालन को बढ़ावा देने के लिए वनस्पति तेल उत्पाद, उत्पादन और उपलब्धता (विनियमन) आदेश, 2011 में संशोधन को अधिसूचित कर दिया है। इससे खुदरा कीमतों को स्थिर करने और देशभर में खाद्य तेलों की उपलब्धता में सुधार करने में मदद मिलेगी।

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) ने वनस्पति तेल उत्पाद, उत्पादन एवं उपलब्धता (विनियमन) आदेश, 2011 (वीओपीपीए विनियमन आदेश, 2011) में संशोधन को अधिसूचित किया है। यह आदेश मूल रूप से आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत जारी किया गया। इस आदेश को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 द्वारा पूर्ववर्ती विनियमों को निरस्त करने के बाद तैयार किया गया था। सुनिश्चित करने और सरकार के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा उद्देश्यों को समर्थन प्रदान करने में सक्षम बनाता है।

सरकारी स्कूलों के नन्हे बच्चों ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को राखी बांधी।

संसद में एसआईआर पर व्यवधान जारी, कामकाज प्रभावित

नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र के लगातार 14वें दिन गुरुवार को लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के हंगामे के कारण कामकाज प्रभावित रहा। विपक्ष बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा कराने की मांग पर अड़ा रहा। इसके चलते कार्यवाही कई बार बाधित होने के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गयी। लोकसभा में कार्यवाही पहले 12 बजे और बाद में दो बजे तक के लिए स्थगित हुई। दो बजे कार्यवाही प्रारंभ होने पर सरकार ने हंगामे के बीच मणिपुर माल एवं सेवाकर (संशोधन) विधेयक, 2025 और मणिपुर बजट पारित करा लिया। इसके बाद कार्यवाही शुक्रवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। दूसरी ओर राज्यसभा में सुबह हंगामे के चलते कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। दो बजे कार्यवाही शुरू होने पर हंगामे के बीच सदन में तटीय नौवहन विधेयक, 2025 पारित किया गया। बाद में कार्यवाही को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया।

उत्तराखंड: नौ साल में 18,464 प्राकृतिक आपदाओं ने दिए जख्म

देहरादून

राज्य को नौ वर्षों में बड़ी संख्या में प्राकृतिक आपदाओं ने जख्म दिए हैं। अतिवृष्टि-त्वरित बाढ़ से लेकर बादल फटने जैसी घटनाएं हुई हैं। इसमें जानमाल का भारी नुकसान हुआ है। आपदा प्रबंधन विभाग राज्य में सड़क दुर्घटना, आग, भूस्खलन, भूकंप, बाढ़, कीट आक्रमण, हिमस्खलन, अतिवृष्टि-त्वरित बाढ़, व्रजपात, ओलावृष्टि, आंधी तूफान, डूबना, बहजाना, जंगली पशुओं का हमला, बादल फटना, वनाग्नि, बीमारी फैलना, विद्युत करंट, वनाग्नि की घटनाओं का विवरण तैयार करता है। इन घटनाओं में मृत्यु, घायल, लापता होने की सूचना एकत्र की जाती है। इसके अलावा मकानों के आंशिक और पूरी तरह क्षतिग्रस्त होने का रिकार्ड रखा जाता है। आपदा प्रबंधन विभाग के वर्ष 2015 से 2024 तक के आंकड़े बताते हैं कि हर साल हजारों आपदा आ रही हैं। इसमें सबसे अधिक अतिवृष्टि-त्वरित बाढ़ के हैं, जिसकी 12758 घटनाएं हुई हैं। इसके अलावा भूस्खलन भी चुनौती बना हुआ है। चार हजार से अधिक भूस्खलन की घटनाएं विभिन्न जिलों में हुई। बादल भी 67 बार फट चुके हैं। सबसे अधिक बादल फटने की घटना पौड़ी जिले में हुई हैं।

राज्य में घटनाएं

भूस्खलन-4654

बादल फटना-67

हिमस्खलन-92

आंधी तूफान-634

व्रजपात-259

अतिवृष्टि-बाढ़-12758

उत्तरकाशी में 1525 घटनाएं हुई

उत्तरकाशी में नौ साल में भूस्खलन, बाढ़, अतिवृष्टि-त्वरित बाढ़, हिमस्खलन, व्रजपात, ओलावृष्टि, बादल फटना, जंगल की आग समेत आदि की 1525 घटनाएं हुई हैं।

मोदी सरकार की विदेश नीति फेल: खरगे

नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आने वाले सामान पर 25% अतरिक्त टैक्स लगा दिए है। यह टैक्स भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने को लेकर लगाया गया है। इस फैसले के बाद भारत से अमेरिकी बाजार में जाने वाले सामान पर कुल 50% टैक्स लगने लगेगा। ऐसे में भारत में इस बात को लेकर भी बयानबाजी तेज हो गई है। इसी सिलसिले में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50% टैरिफ लगाए जाने के फैसले को केंद्र सरकार की विदेश नीति की बड़ी विफलता बताया।

खरगे ने कहा कि ट्रंप का यह कदम ऐसे समय में आया है जब भारत की कूटनीति कमजोर और भ्रमित नजर आ रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस संकट से निपटने में पूरी तरह नाकाम रहे हैं और अब ट्रंप भारत पर दबाव बना रहे हैं। बता दें कि ये पूरा मामला तब शुरू हुआ जब डोनाल्ड ट्रंप ने भारत द्वारा रूस से तेल खरीद जारी रखने को लेकर नाराजगी जताते हुए भारत से आने वाले कई उत्पादों पर अतिरिक्त 25% शुल्क लगा दिया। पहले से ही 25% टैरिफ लागू था, जिससे अब कुल शुल्क 50% हो गया है। यह आदेश 7 अगस्त से लागू हो गया है।

सीआरपीएफ जवानों से भरी बस 200 फीट गहरी खाई में गिरी

दो बलिदान, 16 घायल

जम्मू

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बड़ा हादसा हुआ है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) से भरी बस खाई में गिर गई। हादसे में दो जवान बलिदान हो गए हैं। कई जवान घायल हो गए। घायल जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। जानकारी के अनुसार, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 187वीं बटालियन की बस उधमपुर जिले में कदवा से बसंत गढ़ जाते समय करीब 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में तीन जवान बलिदान हो गए। जबकि 15 जवान घायल हो गए। बस में 18 जवान सवार थे, आज सुबह लगभग 10:30 बजे यह हादसा हुआ। बस जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में कदवा से बसंत गढ़ जा रही थी।

जस्टिस वर्मा की अपील खारिज, जांच प्रक्रिया को दी थी चुनौती

नई दिल्ली।

जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है। जली हुई नकदी बरामद होने के मामले में जांच प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करते हुए शीर्ष अदालत की पीठ जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह ने कहा कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का आचरण विश्वास पैदा नहीं करता, इसलिए उनकी याचिका पर विचार नहीं किया जाना चाहिए। इस अहम फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने ये भी माना कि तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने इस मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जो पत्र भेजा, वह असंवैधानिक नहीं था। मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा ने आंतरिक जांच पैनल की उस रिपोर्ट को अमान्य ठहराने के लिए सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया था, जिसमें उन्हें नकदी बरामदगी मामले में दोषी पाया गया था। जस्टिस वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी थी कि जांच समिति की रिपोर्ट और उसे राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री को भेजना असंवैधानिक है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को ठुकरा दिया।

जस्टिस वर्मा ने क्यों किया था सुप्रीम कोर्ट का रुख, समझिए

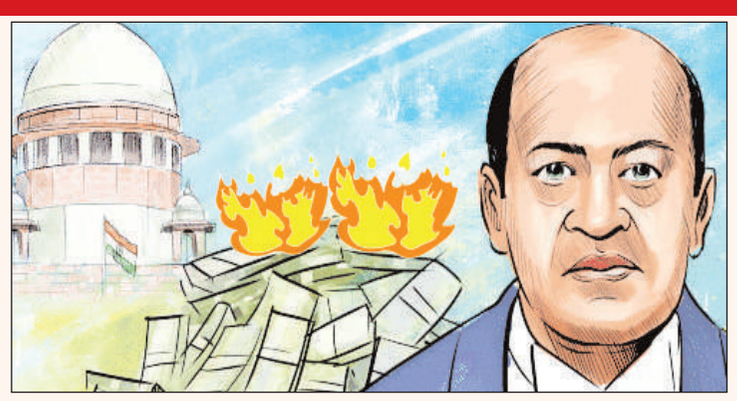

बता दें कि ये पूरा मामला उस समय सामने आया जब न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास से नकद राशि मिलने की बात सामने आई थी। इसके बाद तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने एक इन-हाउस जांच समिति बनाई थी। इस समिति ने जांच के बाद जस्टिस वर्मा को दोषी पाया और उनकी रिपोर्ट राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजी गई, ताकि उनके खिलाफ कार्रवाई हो सके।

यशवंत वर्मा की दलीलें

मामले में जस्टिस वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी थी कि जांच में उन्हें ठीक से सुनवाई का मौका नहीं दिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि साबित करने की जिम्मेदारी समिति पर होनी चाहिए थी, उनसे सफाई मांगना गलत था।

उनका दावा था कि निष्कर्ष पहले से तय थे और जल्दीबाजी में जांच की गई। इसपर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि उनकी मौलिक अधिकारों का कोई उल्लंघन नहीं हुआ। कोर्ट ने कहा कि अगर महाभियोग की प्रक्रिया संसद में शुरू होती है, तो वे वहां अपनी बात रख सकते हैं। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि सीजेआई सिर्फ डाकघर नहीं हैं, बल्कि उनके पास अनुशासन और नैतिकता बनाए रखने की जिम्मेदारी है।

कर्तव्य भवन-3 में गृह, विदेश समेत 6 से ज्यादा मंत्रालयों के होंगे दफ्तर: मनोहर लाल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत निर्मित कर्तव्य भवन-3 के बारे में बताया कि यह भवन 1.5 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला होगा और इसमें कुल 850 कार्यालय कक्ष होंगे। भवन में दो बेसमेंट, एक ग्राउंड फ्लोर और छह मंजिलें होंगी। गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, एमएसएमई मंत्रालय, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार का कार्यालय इस भवन से संचालित होंगे, जिन्हें जल्दी ही इस इमारत से संचालित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने मीडियाकर्मियों से कहा कि अब तक मंत्रालय जिन भवनों से संचालित हो रहे थे, वे शास्त्री भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन और निर्माण भवन जैसे पुराने ढांचे थे, जिनका निर्माण

1950 से 1970 के बीच हुआ था। इन इमारतों के रखरखाव में कठिनाइयां थीं। आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के प्रधान सचिव के. श्रीनिवास ने बताया कि यह इमारत अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगी और आईटी-सक्षम, सुरक्षित कार्यस्थल के रूप में विकसित की गई है। इसमें आईडी कार्ड आधारित एंट्री, फ्लैप बैरियर, मेटल डिटेक्टर, बैग स्कैनर, गाड़ी स्कैनिंग सिस्टम, बूम बैरियर, वाहन ब्लॉकर और पावर फेंसिंग जैसी उच्च सुरक्षा व्यवस्था होगी। भवन के भीतर-बाहर 700 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं जिनकी निगरानी 24 घंटे कंट्रोल रूम से की जाएगी। उन्होंने कहा कि कर्तव्य भवन-3 को जीआरआईएचए-4 रेटिंग प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है, जो पर्यावरण के अनुकूल निर्माण है। इसमें रूफटॉप सोलर पैनल, सोलर वॉटर हीटर, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट और रिसाइकल मटेरियल का इस्तेमाल किया गया है। निर्माण में मलबे का पुनः प्रयोग, हल्की दीवारों का उपयोग और ऊपरी मिट्टी के संरक्षण जैसे उपाय किए गए हैं।

इससे भवन न केवल ऊर्जा कुशल होगा, बल्कि अपनी जल जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा पुनर्चक्रण से पूरा करेगा। इस इमारत में 600 गाड़ियों की पार्किंग की सुविधा भी दी गई है। इसके अलावा एक एकीकृत कमांड एंड कंट्रोल सेंटर पूरे सेंट्रल विस्टा की निगरानी करेगा। इसे इस तरह से डिजाइन किया गया है कि आम नागरिकों की पहुंच आसान और सुरक्षित हो, जबकि संवेदनशील क्षेत्रों में गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि यह परियोजना न केवल भौतिक बुनियादी ढांचे का निर्माण है, बल्कि शासन की कार्यक्षमता, पारदर्शिता और दक्षता में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी।

बंगाल में लागू नहीं होने दूंगी 'एसआईआर' : ममता बनर्जी

जेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की योजना की शुरुआत भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की देन है और इसे चुनाव आयोग की मिलीभगत से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बंगाली भाषी भारतीय नागरिकों को बांग्लादेशी बताकर पड़ोसी देश भेजने की कोशिश हो रही है। घाटाल में बाढ़ प्रभावित इलाकों के दौरे पर पहुंचीं मुख्यमंत्री ने कहा, यह (एसआईआर) केंद्र सरकार की योजना है, जिसमें चुनाव आयोग को भी साथ रखा गया है। हम इससे सहमत नहीं हैं। हर किसी के लिए अपने माता-पिता के जन्म प्रमाण पत्र सुरक्षित रखना संभव नहीं है।उन्होंने स्पष्ट किया कि वे पश्चिम बंगाल में एसआईआर लागू नहीं होने देंगी, जहां वर्ष 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। ममता बनर्जी ने दावा किया कि अगर राज्य में एसआईआर लागू हुआ तो सभी धर्मों के लोग प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों में काम करने गए बंगाल के प्रवासी मजदूरों को केवल उनकी मातृभाषा के कारण परेशान किया जा रहा है और जब उन्होंने इसका विरोध किया तो कुछ लोगों ने उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत गिरफ्तार करने की मांग की।

ईवीएम से उठा लोगों का भरोसा, चुनाव में मतपत्र प्रणाली हो लागः केटीआर

नई दिल्ली/हैदराबाद,। तेलंगाना राज्य में विपक्षी पार्टी भारतीय राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी राम राव (केटीआर) ने कहा कि देश के लोगों में ईवीएम को लेकर कई तरह की शंकाएं हैं और लोगों का इन ईवीएम से भरोसा उठ गया है। चुनाव आयोग को मतदान के बैलेट पेपरव्यवस्था शुरू करनी चाहिए। केटीआर ने आज दिल्ली में मीडिया से कहा कि उन्होंने केंद्रीय चुनाव आयोग से आगामी बिहार विधानसभा चुनाव और उसके बाद होने वाले आम चुनावों में मतपत्र प्रणाली का उपयोग कर चुनाव कराने की अपील की है। केटीआर ने कहा कि मैंने पार्टी में अपनी राय व्यक्त की कि आज चुनाव आयोग के सामने छह बातें सामने आई। उनमें से एक यह है कि भले ही अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, इटली और दुनिया के कई अन्य देशों ने कुछ समय के लिए प्रायोगिक तौर पर ईवीएम को लागू किया है, लेकिन लोगों का उन पर से विश्वास उठ गया है। अब वहां भी ईवीएम को खत्म कर मतपत्र प्रणाली लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में लगभग 100 करोड़ मतदाता हैं। ऐसे में ईवीएम से नुकसान हो रहा है। लोगों का मानना है कि हमारे डाले गए वोटों की गिनती नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि हमने अपनी पार्टी की ओर से चुनाव आयोग से ईवीएम को हटाकर मतपत्र प्रणाली लागू करने का अनुरोध किया है।

भारत बीज' योजना से 1.4 लाख किसान लाभान्वित : अमित शाह

नई दिल्ली। देश में गुणवत्तापूर्ण बीजों के उत्पादन, संग्रहण और वितरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) की स्थापना की है। यह जानकारी लोकसभा में सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी के प्रश्न के उत्तर में दी।शाह ने बताया कि यह समिति मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटीज (एमएससीएस) अधिनियम, 2002 के तहत गठित की गई है और इसका उद्देश्य 'भारत बीज' ब्रांड के तहत देशी प्राकृतिक बीजों का संरक्षण, उत्पादन और प्रचार-प्रसार करना है। बीबीएसएसएल का लक्ष्य देश को आयातित बीजों पर निर्भरता से मुक्त करना और किसानों को उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराना है। समिति के कार्यों में बीजों का उत्पादन, परीक्षण, प्रमाणन, खरीद, प्रसंस्करण, भंडारण, ब्रांडिंग, लेबलिंग और पैकेजिंग जैसे सभी चरण शामिल हैं। इसके अंतर्गत फाउंडेशन और सर्टिफाइड – दोनों स्तरों के बीजों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। बीबीएसएसएल भारत सरकार की विभिन्न मंत्रालयों की योजनाओं और नीतियों का लाभ उठाकर कार्य करेगा और सहकारी संस्थाओं के नेटवर्क के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाएगा। इससे 'सहकार से समृद्धि' के लक्ष्य को साकार किया जा सकेगा। सहकारिता मंत्री ने आगे बताया कि बीबीएसएसएल द्वारा अब तक एक लाख 40 हजार से अधिक किसान लाभान्वित हो चुके हैं। इन किसानों को न केवल बेहतर किस्म के बीज प्राप्त हुए हैं, बल्कि उत्पादन में वृद्धि और उच्च कीमतों का लाभ भी मिला है। साथ ही, समिति द्वारा अर्जित लाभ में से किसानों को लाभांश देने की भी योजना है। बीबीएसएसएल का यह कदम प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' जैसे अभियानों को भी बल देता है।

संघ प्रमुख का तीन दिवसीय व्याख्यान

सौ वर्षों की यात्रा पर समाज से जुड़ने की पहल

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे कर लिए हैं। अब संघ समाज के बीच संघ, संघ कार्य, सोच और प्रेरणा लेकर आगामी एक वर्ष तक जाएगा। इसी क्रम में सरसंघचालक मोहन भागवत अगले साल फरवरी तक देश के चार बड़े शहरों में चार प्रमुख व्याख्यान माला को संबोधित करेंगे। दिल्ली में यह व्याख्यान माला 26-28 अगस्त तक आयोजित की जाएगी। इसमें दिल्ली और आसपास के प्रदेशों की विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों का आमंत्रित किया जाएगा।दिल्ली के केशवकुंज स्थित संघ मुख्यालय में अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने पत्रकार वार्ता में इस आयोजन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि व्याख्यानमाला का विषय '100 वर्ष की संघ यात्रा-नए क्षितिज' रखा गया है। संघ प्रमुख अपने व्याख्यान में

पंच परिवर्तन के विषय को समाज के सामने प्रमुखता से रखेंगे। दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित व्याख्यान में पहले दो दिन प्रबोधन सत्र और तीसरे दिन प्रश्नोत्तर आयोजित किए जायेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में संघ ने समाज तक अपने विचार, कार्य और दिशा को पहुंचाने के उद्देश्य से विभिन्न नागरिक गोष्ठियों की श्रृंखला शुरू की है। सरसंघचालक की व्याख्यान माला बेंगलुरू, कोलकाता और मुंबई जैसे महानगरों में भी आयोजन होगा। दिल्ली के आयोजन के बारे में आंबेकर ने बताया कि एनसीआर व आसपास के राज्यों के प्रमुख नागरिकों को व्याख्यान में आमंत्रित किया जा रहा है। 17 प्रमुख श्रेणियों में चयनित अतिथियों की सूची तैयार की गई है, जिनमें कुल 138 उपश्रेणियाँ शामिल हैं। मीडिया से जुड़े प्रमुख लोगों, मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों और विभिन्न दूतावासों से भी संवाद कर आमंत्रण भेजे जा रहे हैं। पत्रकार वार्ता में मंच पर संघ के प्रांत संघचालक अनिल अग्रवाल भी मौजूद रहे। इसके अलावा अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख रामलाल, दिल्ली के प्रांत कार्यवाह अनिल गुप्ता एवं संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र कुमार भी इस दौरान मौजूद रहे।

भारत की ई-वीजा प्रणाली से विदेशी यात्रियों को मिल रही सहूलियतः गृह राज्यमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार ने विदेशी पर्यटकों, व्यवसायियों, छात्रों और पेशेवरों के लिए ई-वीजा प्रणाली को और अधिक सरल, लचीला और तकनीकी रूप से उन्नत बनाकर देश में वैध आव्रजन को सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। यह जानकारी गृह राज्यमंत्री बंदी संजय कुमार ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में दी।मंत्री ने बताया कि ई-वीजा प्रणाली को पहली बार नवंबर 2014 में 43 देशों के नागरिकों के लिए शुरू किया गया था, जबकि वर्तमान में यह सुविधा 172 देशों के नागरिकों को उपलब्ध है। इसके तहत यात्री भारत के 32 नामित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों और 6 प्रमुख बंदरगाहों से देश में प्रवेश कर सकते हैं। ई-वीजा प्रणाली पूरी तरह ऑनलाइन है, जिससे विदेशों से आने वाले नागरिक किसी भी स्थान से आवेदन कर सकते हैं। यह सुविधा भारत में पर्यटन, व्यापार, चिकित्सा और अन्य वैध उद्देश्यों के लिए विदेशी आगमन को सुगम बनाने में कारगर सिद्ध हो रही है। वर्तमान में ई-वीजा 13 उप-श्रेणियों में उपलब्ध है, जिनमें ई-टूरिस्ट वीजा, ई-बिजनेस वीजा, ई-मेडिकल वीजा, ई-कॉन्फ्रेंस वीजा, ई-स्टूडेंट वीजा और ई-माउंटेनियरिंग वीजा जैसी श्रेणियां शामिल हैं। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2019 में 30 दिनों की दोहरी प्रविष्टि वाली ई-टूरिस्ट वीजा योजना शुरू की गई थी, जिसकी फीस 25 अमेरिकी डॉलर रखी गई थी। इसके अतिरिक्त, ऑफ-सीजन (अप्रैल-जून) के दौरान पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए यह शुल्क घटाकर 10 डॉलर कर दिया गया था। गृह राज्यमंत्री कुमार ने बताया कि ई-वीजा प्रणाली को लगातार और अधिक उदार बनाने की दिशा में काम जारी है। इसमें वीजा शुल्क में छूट, विशेष पर्यटक समूहों के लिए विशेष वीजा श्रेणियों की व्यवस्था और द्विपक्षीय संबंधों, सुरक्षा आवश्यकताओं, निवेश एवं पर्यटन प्रवाह को ध्यान में रखकर नीतिगत निर्णय लिए जाते हैं।

ब्रिटिश संसदीय प्रतिनिधिमंडल से दिल्ली विस अध्यक्ष की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने ब्रिटेन की संसद की उपाध्यक्ष नुसरत घानी के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल से शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात दिल्ली विधानसभा परिसर में हुई। इस अवसर पर गुप्ता ने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच साझा लोकतांत्रिक मूल्य और ऐतिहासिक संबंध हमारी आधुनिक साझेदारी को दिशा देते हैं। उन्होंने भारत-ब्रिटेन संबंधों में हो रहे रणनीतिक परिवर्तन, जैसे व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) और इंडिया-यूके विजन 2035 का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देश अब व्यापार, शिक्षा, रक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसे अनेक क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल में शामिल व्यक्तियों में हाउस ऑफ कॉमन्स की क्लर्क असिस्टेंट सारा डेवीस, उपाध्यक्ष की निजी सचिव अबीगेल सैमुअल्स, ब्रिटिश उच्चायोग में राजनीतिक मामलों की प्रमुख नटैलिया लेह, उपप्रमुख अलेक्जेंड्रा नोएल्स, वरिष्ठ सलाहकार भावना विज और राजनीतिक सलाहकार पारुल कविया शामिल थीं।

प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग को लेकर विशेष चर्चा की गई। विस अध्यक्ष गुप्ता ने बताया कि वर्तमान में 1.7 लाख से अधिक भारतीय छात्र ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों में अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने गुरुग्राम में

साउथहैम्पटन विश्वविद्यालय के आगामी परिसर की पहल का स्वागत किया और 2022 में हुए शैक्षणिक डिग्रियों की पारस्परिक मान्यता को एक अहम कदम बताया। गुप्ता ने दिल्ली विधानसभा की ऐतिहासिक पहलों से भी प्रतिनिधिमंडल को अवगत कराया, जिनमें ई-विधान प्रणाली (नेवा) के माध्यम से पूरी तरह पेपरलेस कार्यप्रणाली अपनाना और 500 किलोवाट सौर ऊर्जा संयंत्र की शुरुआत प्रमुख हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली विधानसभा देश की पहली नेट-जीरो कार्बन विधान सभा बन चुकी है। अध्यक्ष ने यह भी बताया कि विधानसभा भवन, जो कभी ब्रिटिश इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल का मुख्यालय था, को राष्ट्रीय विरासत के रूप में पुनर्स्थापित किया जा रहा है। इस दिशा में उन्होंने ब्रिटिश परिषद से ऐतिहासिक अभिलेख उपलब्ध कराने का अनुरोध किया ताकि इस संस्था की गौरवमयी विरासत को सहेजा जा सके।

ब्रिटेन की संसद की उपाध्यक्ष नुसरत घानी ने दिल्ली विधानसभा की मेजबानी और पहलों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था न केवल ऐतिहासिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है, बल्कि 21वीं सदी की लोकतांत्रिक और सतत शासन व्यवस्था का आदर्श भी प्रस्तुत कर रही है। उन्होंने संसदों के बीच आपसी सहयोग और जनता से संवाद को और सशक्त बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक का समापन लोकतांत्रिक मूल्यों और संस्थागत सहयोग को और मजबूत करने के संकल्प के साथ हुआ।

शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन, पुत्र हेमंत सोरेन ने दी मुखाग्नि

एजेंसी

रामगढ़। झारखंड राज्य के प्रणेता, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय शिबू सोरेन पंचतत्व में विलीन हो गए। झारखंड के जिला रामगढ़ स्थित उनके पैतृक गांव नेमरा में राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। राज्य के मुख्यमंत्री और उनके पुत्र हेमंत सोरेन ने उन्हें मुखाग्नि दी और अंतिम जोहार कहा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने पिता के अंतिम संस्कार के दौरान बेहद भावुक हो गए। उनकी आंखें डबडबा गईं। बेहद भारी मन से उन्होंने अपने पिता और राजनीतिक गुरु को इस दुनिया से विदा किया। अंतिम संस्कार के दौरान उनके साथ भाई बसंत सोरेन और उनके परिवार के कई अन्य सदस्य वहां मौजूद थे। घाट पर एक ही चर्चा थी कि जिस सरजमीं से शिबू सोरेन ने संघर्ष और राजनीति शुरू की। आज उसी जगह पर पंचतत्व में विलीन हुए। सैकड़ो गांवों से पहुंचे लोग अपने बाबा (शिबू सोरेन) और नेता को प्रणाम

कर उन्हें अंतिम विदाई दी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने पिता शिबू सोरेन का शव लेकर जैसे ही अपने पैतृक गांव नेमरा के घाट पर पहुंचे, वहां झमाझम बारिश शुरू हो गयी।इस पर स्थानीय लोगों का कहना था कि झारखंड की अस्मिता की लड़ाई लड़ने वाले लाल को प्रकृति ने भी अंतिम विदाई दी है। गुरुजी के चाहने वालों ने कहा कि झारखंड के लाल के निधन पर आसमान भी रो रहा है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन का अंतिम संस्कार गांव के ही बड़की नाला तट पर हुआ। घर से लगभग 600 मीटर की दूरी पर स्थित श्मशान घाट में जाने के लिए रास्ते भी बनाए गए थे। कई खेतों में फसल को हटाकर नेमरा के लोगों ने रास्ता बनाया, ताकि बाबा को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जा सके।

मतदाता सूची में फर्जी नाम जोड़ने के मामले में बंगाल के चार अधिकारी निलंबित

एजेंसी

कोलकाता। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची में फर्जी नाम जोड़ने और गंभीर लापरवाही बरतने के आरोप में चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया। आरोप है कि इन अधिकारियों ने अपने चुनावी सूची(ईआर) डाटाबेस के लॉगिन पासवर्ड अनाधिकृत लोगों के साथ साझा किए, जिसके बाद मतदाता सूची में गलत तरीके से नाम जोड़े गए। यह मामला दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर पूर्व विधानसभा क्षेत्र से जुड़ा है।आयोग के अनुसार, निलंबित अधिकारियों में निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) देबोत्तम दत्ता चौधरी और बिप्लब सरकार के अलावा सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) तथागत मंडल और सुदीप्त दास शामिल हैं। इन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जाएगी और इनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई जाएगी। साथ ही, आकस्मिक डेटा एंट्री

ऑपरेटर सुरोजीत हालदार के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज होगी। कुछ दिन पहले भी आयोग ने पूर्वी मिदनापुर के नंदकुमार और उत्तर 24 परगना के राजारहाट-गोपालपुर क्षेत्र के दो निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की अनुमति दी थी। उन पर भी पासवर्ड डेटा एंट्री ऑपरेटरों के साथ साझा करने का आरोप था, जिससे 102 फर्जी मतदाताओं का डेटा चुनाव आयोग के पोर्टल में डाल दिया गया। जांच में यह भी सामने आया कि नाम जोड़ने से पहले बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को सत्यापन के लिए भेजा ही नहीं गया था। आयोग का कहना है कि इस तरह की लापरवाही से मतदाता सूची में भारी गड़बड़ी हुई और फर्जी मतदाता जोड़ने का रास्ता आसान हो गया।

एसआईआर पर संसद में चर्चा से बच रही है सरकार : गौरव गोगोई

एजेंसी

नई दिल्ली । संसद के मॉनसून सत्र में बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्षी इंडिया ब्लॉक ने भारी हंगामा किया। विपक्ष का आरोप है कि यह संशोधन आगामी बिहार विधानसभा चुनावों से पहले मतदाताओं, खासकर दलितों, पिछड़े वर्गों और गरीब समुदायों को मताधिकार से वंचित करने की साजिश है। इसी बीच कांग्रेस सांसद और लोकसभा में उपनेता गौरव गोगोई ने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर संसद में चर्चा से बच रही है, जो लोकतंत्र की पारदर्शिता और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाता है। बुधवार को आईएएनएस से बातचीत के दौरान गौरव गोगोई ने पूछा कि सरकार क्या छिपाने की कोशिश कर रही है और इस चुप्पी के पीछे का डर क्या है। देश को इस बात पर चिंता जतानी चाहिए कि एक चुनी हुई सरकार मतदाता सूची के संशोधन और मतदान प्रक्रिया जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर संसद में चर्चा से बच रही है।गोगोई ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी संदेह जताया और कहा कि विपक्ष इस मुद्दे पर खुली चर्चा चाहता है ताकि आम लोगों को अपने मताधिकार और मतदान केंद्रों की जानकारी स्पष्ट हो सके। यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला नहीं है, इसलिए सरकार को सदन में खुली चर्चा से बचने का कोई कारण नहीं होना चाहिए। अगर सरकार इस विषय को संसद में नहीं उठने देगी, तो लोग अपने सवाल कहां पूछेंगे? कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने विपक्ष की ओर से मांग की कि इस मुद्दे पर पारदर्शी और खुली चर्चा हो, ताकि लोगों का भरोसा लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर बना रहे। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव आयोग मनमाने ढंग से काम करेगा और सत्तापक्ष की कठपुतली बनकर रहेगा, तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा। लोकतंत्र को बचाने के लिए संसद, जो लोकतंत्र का मंदिर है, उसमें इस मुद्दे पर खुली चर्चा होनी चाहिए।

संजय राउत ने उत्तरकाशी त्रासदी पर जताया दुख, बोले- सरकार को पहाड़ी राज्यों पर देना होगा विशेष ध्यान

एजेंसी

मुंबई । शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने बुधवार को उत्तराखंड में बादल फटने की घटना पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि देशभर से पर्यटक पहाड़ी राज्यों में जाते हैं। लोग वैष्णो देवी, अमरनाथ, केदारनाथ जैसे तीर्थ स्थलों पर आते हैं, इसलिए उत्तराखंड, हिमाचल जैसे राज्यों पर सरकार को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि महाराष्ट्र के सैकड़ों पर्यटक और लोग पहाड़ी इलाकों में बाढ़ के कारण फंस गए हैं, जिससे पूरा देश चिंतित है। उन्होंने मांग की कि इन क्षेत्रों में मजबूत इंतजाम करने होंगे ताकि पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। साथ ही, संजय राउत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयानों पर भी निशाना साधा और कहा कि ट्रंप ने भारत को व्यापार के लिए अच्छा साथी नहीं बताया, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दावा करते हैं कि भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। ट्रंप कह रहे हैं कि भारत अच्छा ट्रेड पार्टनर नहीं है, तो बिना व्यापार के इतनी बड़ी अर्थव्यवस्था कैसे बनेगी? क्या ट्रंप पीएम मोदी को झूठा बता रहे हैं? ट्रंप बार-बार पीएम को अपमानित कर रहे हैं, जिससे दुनिया में प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ माहौल बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी को यह सब समझना चाहिए। इसके अलावा, संजय राउत ने इंडिया ब्लॉक की बैठक पर भी बात की और कहा कि गठबंधन की लंबे समय बाद होने वाली इस बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा होगी, जैसे देश की मौजूदा स्थिति, पीएम मोदी के दावों की सच्चाई, ऑपरेशन सिंदूर और बिहार चुनाव।

मुख्यमंत्री ने तिमारपुर में 'दिल्ली को कूड़े से आजादी' अभियान को दी मजबूती

एजेंसी
नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने तिमारपुर की संजय बस्ती में स्वच्छता अभियान चलाकर 'दिल्ली को कूड़े से आजादी' अभियान को और मजबूती दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक सूर्य प्रकाश खत्री, महापौर राजा इकबाल सिंह और बड़ी संख्या में स्थानीय साथियों की सक्रिय भागीदारी ने इसे और भी व्यापक बना दिया। उन्होंने कहा कि पूरी दिल्ली इस मिशन में जुटी हुई है। देखकर गर्व होता है कि दिल्लीवासी खुद आगे आ रहे हैं। कोई बस स्टैंड की सफाई कर रहा है, तो कोई अपने घर, गली, कॉलोनी और बाजार से शुरुआत कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा सरकार के तमाम विभाग सक्रिय हैं। हमारे जनप्रतिनिधि स्वयं मैदान में हैं। यह दिल्ली को स्वच्छ और गरिमामय बनाने की दिशा में एक सामूहिक संकल्प है। उन्होंने एक बार फिर सभी दिल्लीवासियों से मिलकर दिल्ली को कूड़े से आजादी दिलाने की अपील की। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में एक से 31 अगस्त तक 'दिल्ली को कूड़े से आजादी' स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट से एल्विश यादव को राहत, सांप के जहर से जुड़े मामले में ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक

नई दिल्ली। यूट्यूब और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एल्विश यादव को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने सांप के जहर से जुड़े विवादित मामले में उनके खिलाफ चल रही ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। एल्विश यादव ने अपनी याचिका में आरोप पत्र और आपराधिक कार्यवाही को चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका पर यूपी सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया। बता दें कि इससे पहले, एल्विश यादव को इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका लगा था। हाईकोर्ट ने रेव पार्टी में सांपों का प्रदर्शन करने और इसके वीडियो बनाने के लिए दर्ज एफआईआर की चार्जशीट को चुनौती देने वाली उनकी याचिका को खारिज कर दिया था। इसके बाद, गाजियाबाद की सीजेएम कोर्ट ने एल्विश यादव के खिलाफ समन जारी किया था। गौरतलब है कि एल्विश यादव के खिलाफ गौतमबुद्ध नगर, नोएडा के थाना सेक्टर-49 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम और अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज है। आरोप है कि उन्होंने रेव पार्टी में सांपों का प्रदर्शन किया और इसके माध्यम से वीडियो बनाने के लिए सांपों और सांप के जहर का दुरुपयोग किया। आरोपपत्र में यह भी कहा गया है कि उन्होंने विदेशी नागरिकों को रेव पार्टियों में बुलाया और उन्हें सांप के जहर और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन कराया। गाजियाबाद की अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम) ने इस मामले में चार्जशीट का संज्ञान लेते हुए समन जारी किया था, जिसके खिलाफ एल्विश यादव ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की लेकिन उन्हें राहत नहीं मिली।

दिल्ली में कांग्रेस सांसद की चेन स्नैचिंग का मामला सुलझा,अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस सांसद आर. सुधा की सोने की चेन स्नैचिंग के सनसनीखेज मामले को 24 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। दक्षिणी दिल्ली और नई दिल्ली जिला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने छीनी गई सोने की चेन, अपराध में इस्तेमाल स्कूटी और आरोपी के कपड़े बरामद कर लिए हैं। आरोपी का नाम सोहन रावत उर्फ सोनू उर्फ बुग्गू (24 वर्ष) है, जो ओखला के हरकेश नगर का रहने वाला है। वह एक कुख्यात अपराधी है, जिसके खिलाफ दिल्ली के विभिन्न थानों में चोरी, लूट और आर्म्स एक्ट के तहत 26 मामले दर्ज हैं। वह हाल ही में 27 जून को जेल से रिहा हुआ था। घटना नई दिल्ली के एक पॉश इलाके में हुई थी। पुलिस ने सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज की जांच की और आरोपी के पूरे रास्ते को ट्रैक किया। पुलिस की खुफिया जानकारी और तकनीकी निगरानी की मदद से दक्षिणी जिला पुलिस की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (एएटीएस) ने आरोपी को धर दबोचा। इंस्पेक्टर उमेश यादव के नेतृत्व में टीम ने त्वरित कार्रवाई की, जिसमें सब-इंस्पेक्टर नवदीप, हेड कांस्टेबल कमल प्रकाश, बृजेश, अरविंद, कृष्ण कुमार और कांस्टेबल काना राम, देवेंद्र व अरविंद शामिल थे।

राज्यसभा ने दी सत्यपाल मलिक को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। राज्यसभा में पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को श्रद्धांजलि दी गई। सत्यपाल मलिक दो बार राज्य सभा के सदस्य रह चुके हैं। बुधवार को उप सभापति हरिवंश नारायण ने राज्य सभा में दिवंगत के प्रति श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वह उत्तर प्रदेश से 2 बार राज्य संसद के उच्च सदन के सदस्य बने। पहली बार वे 1982 में सदन के सदस्य बनें। इसके बाद वे वर्ष में 1989 सदन के सदस्य रहे। 24 जुलाई 1946 को जन्मे सत्यपाल मलिक ने अपने चुनावी जीवन की शुरुआत उत्तर प्रदेश विधानसभा से की थी। वह 1974 में उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य बने थे। वह अलीगढ़ से नौवीं लोक सभा के लिए सांसद भी चुने गए थे। राज्यसभा में जानकारी देते हुए उप सभापति ने कहा कि सत्यपाल मलिक विभिन्न राज्यों के राज्यपाल भी रह चुके हैं। वह बिहार, गोवा, मेघालय व जम्मू कश्मीर राज्यपाल रह चुके थे। उन्होंने बतौर राज्यपाल उड़ीसा का अतिरिक्त कार्यभार भी संभाला था। उनका राजनीतिक व सामाजिक जीवन कई दशक लंबा रहा। राज्यसभा में सत्यपाल मलिक को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वे हैं एक योग्य सांसद रहे रहे। सभापति ने कहा इस सत्यपाल मलिक के निधन से देश ने एक महत्वपूर्ण प्रशासक व योग्य राजनेता खो दिया है।

दिल्ली विधानसभा में फांसी घर का शिलापट्ट लगाकर उसका उद्घाटन करना गंभीर मुद्दा : विजेंद्र गुप्ता

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन में कहा कि दिल्ली विधानसभा में फांसी घर और सुरंग को लेकर वर्षों तक झूठ चलता रहा है, लेकिन यह पूर्णतः असत्य है। उन्होंने कहा कि जिस स्थान को आज फांसी घर कहकर प्रचारित किया गया, वह कोई साधारण विषय नहीं है, वह इस पूरे परिसर की गरिमा से जुड़ा हुआ मामला है। इस स्थान पर एक शिलापट्ट लगाकर उसका उद्घाटन किया गया, तो यह विषय और भी गंभीर हो जाता है। इसपर विपक्ष अपनी स्थिति स्पष्ट करे।

विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि जहां डिलिब्रेशन होता है, वहां पार्लियामेंट होती है, जहां असेंबली होती है- उसी प्रांगण में फांसीघर कैसे हो सकता है? यह सवाल स्वाभाविक है। दूसरी बात कही गई कि इस परिसर में कोई सुरंग जाती है। हमने इस पर इतिहासकारों से बात की, तो उन्होंने बताया कि यह कोई सुरंग नहीं है। असल में यह डक्टिंग है- वेंटिलेशन के लिए बनाई गई जगह। उस समय सीमित संसाधन थे और जब इस तरह के भवन जमीन के नीचे बनाए जाते थे तो वेंटिलेशन के लिए डक्टिंग छोड़ी जाती थी। यह सिर्फ यहां नहीं भारत की संसद में भी इसी तरह के स्थान बनाए गए हैं।

अब बात उस स्थान की जिसे फांसीघर कहा गया- हमने देखा कि बाकायदा एक शिलापट्ट लगाया गया, जिसमें 9 अगस्त 1942 का उल्लेख है और 9 अगस्त इसका उद्घाटन किया गया, यह कहते हुए कि यह एक दर्शनीय स्थल है और यहां फांसीघर हुआ करता था जबकि सच ये है कि यहां कोई फांसीघर नहीं था और न है। जो कमरा बताया गया है, वह असल में टिफिन रूम है।

उसमें जो लकड़ी की लिफ्ट है, उसे फांसी का फंदा और ट्रेप डोर बताया गया, जबकि वह भोजन आदि उठाने-ले जाने के लिए बनाई गई थी। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट का जो कमरा है, वह नक्शे में वायसराय रूम के नाम से दिखाया गया है। उसके आगे स्मोकिंग रूम है। इसी तरह मेंबर्स रूम हैं। उस समय सरकार में मंत्री नहीं होते थे बल्कि मेंबर फाइनेंस, मेंबर एजुकेशन जैसे पद होते थे, उनके कमरे भी हैं। नक्शे पर हर कमरे के उपयोग का स्पष्ट उल्लेख है।

ट्रांसजेंडर की हत्या के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मधु विहार इलाके में एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति की बेरहमी से की गई हत्या के मामले को महज 12 घंटे के भीतर सुलझाते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान गाजीपुर गांव निवासी रेहान उर्फ इक़्का (19) और गाजियाबाद निवासी मोहम्मद सर्वर (20) के रूप में हुई है।क्राइम ब्रांच के डीसीपी विक्रम सिंह के अनुसार, चार अगस्त को मधु विहार थाना क्षेत्र के टेल्को टी-प्वाइंट के पास झाड़ियों में एक ट्रांसजेंडर की लहूलुहान लाश मिलने की सूचना मिली थी। मृतक के शरीर पर चाकू से कई वार किए गए थे। जांच में मृतक की पहचान करण उर्फ अन्नू के रूप में हुई है। स्थानीय पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच ने मामले की जांच शुरू की। टीम ने ट्रांस-यमुना, गाजियाबाद और मेरठ में कई स्थानों पर छापे मारे। इस बीच एक पुख्ता सूचना के आधार पर टीम ने रात करीब 12 बजे लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टेशन के पास से दो युवकों को पकड़ा। दोनों आरोपितों ने पूछताछ में करण उर्फ अन्नू की हत्या की बात स्वीकार की। उन्होंने बताया कि हत्या उसी दिन शाम को की गई थी। आरोपितों ने बताया कि उन्होंने ड्रेन के पास झाड़ियों में चाकू से वार कर हत्या की।पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने खुलासा किया कि करण उर्फ अन्नू और रेहान उर्फ इक़्का पिछले चार महीनों से लिव-इन रिलेशनशिप में थे। इस दौरान रेहान पीड़ित से बार-बार पैसे की मांग करता था और आर्थिक रूप से उसे ब्लैकमेल करता था। जब करण ने रेहान से दूरी बनानी शुरू की, तो वह गुस्से और ईर्ष्या से भर गया। इससे नाराज होकर रेहान ने अपने साथी मोहम्मद सर्वर के साथ मिलकर करण की हत्या की साजिश रची और उसे बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया।

खड़गे ने लगाया पुलिस और मिलिट्री बुलाकर हाउस चलाने का आरोप, नड्डा ने किया खारिज

एजेंसी
नई दिल्ली। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व उपसभापति के बीच तीखी नोकझोंक दिखी। नेता प्रतिपक्ष ने उपसभापति से पूछा कि यह सदन आप चला रहे हैं या गृहमंत्री अमित शाह चला रहे हैं। खड़गे ने आरोप लगाया कि सदन के वेल में सीआईएसएफ के जवानों को तैनात किया गया। उन्होंने कहा कि सदन के वेल में सीआईएसएफ सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी से विपक्ष को कड़ी आपत्ति है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी सांसदों को संसद में जनहित के मुद्दे उठाने से रोका जा रहा है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि आप सीआईएसएफ को अंदर लाते हैं। हमारे संसद के स्टाफ यहां सक्षम हैं, लेकिन आप पुलिस और मिलिट्री को लाकर यहां हाउस चलाना चाहते हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इन आरोपों का खंडन किया। विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए किरेन रिजिजू कहा, नेता प्रतिपक्ष ने सदन में मिलिटरी व पुलिस की बात कही, लेकिन यह बात असत्य है। सदन में केवल मार्शल ही होते हैं और मार्शल ही

सदन में आए थे।÷ उन्होंने उप सभापति पूछा कि ऐसे झूठे तथ्यों को दिए जाने पर नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ क्या कार्रवाई की जानी चाहिए? वहीं नेता सदन व केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने भी विपक्ष के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि सदन में केवल मार्शल होते हैं और यहां मार्शल ही हैं। नड्डा का कहना था कि विपक्ष में बैठे सांसदों को अपना विरोध जताना भी नहीं आता। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग इस तरह से किया जाना चाहिए जिससे कि किसी दूसरे व्यक्ति के अधिकारों का हनन न हो।

दरअसल इस पूरे विषय पर नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उपसभापति हरिवंश को एक पत्र लिखा था। अपने इस पत्र में उन्होंने लिखा, ÷हम इस बात से हैरान और स्तब्ध हैं कि किस तरह सीआईएसएफ कर्मियों को सदन के वेल में दौड़ने के लिए मजबूर किया जाता है, और वह भी तब जब विपक्ष के सांसद अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग कर रहे होते हैं।÷

विपक्ष ने आरोप लगाया कि राज्यसभा के सभापति के अचानक और अभूतपूर्व इस्तीफे के बाद राज्यसभा के कक्ष पर सीआईएसएफ के जवान तैनात कर दिए गए हैं।

नौकर की नीयत पर पड़ा लालच का पर्दा, 55 लाख की चोरी का खुलासा

एजेंसी
नई दिल्ली । उत्तर-पश्चिम जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (एएटीएस) टीम और केशव पुरम थाने की संयुक्त कार्रवाई में 55 लाख रुपये की चोरी का खुलासा करते हुए आरोपित नौकर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान हरियाणा निवासी नरेंद्र शर्मा (27) के रूप में हुई है।

आरोपित के पास से पूरी रकम 55 लाख नकद बरामद कर ली गई है।पुलिस के मुताबिक 27 जुलाई को लॉरेंस रोड निवासी नंद किशोर ने केशव पुरम थाने में शिकायत दी कि उनके ऑफिस में काम करने वाला डिलीवरी बॉय नरेंद्र शर्मा 24 जुलाई को 55 लाख रुपये कैश लेकर एक पार्टी को देने गया था, परंतु न ही उसने पैसे दिए और न ही वापस लौटा। कुछ समय बाद उसका मोबाइल भी बंद मिला। शक होने पर जब खोजबीन की गई तो यह साफ हो गया कि वह रकम लेकर फरार हो गया है। इस संबंध में केशव पुरम थाने में मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने

हरियाणा, उत्तराखंड, उप्र और दिल्ली में लगातार छापेमारी की। तकनीकी निगरानी के तहत 200 से अधिक कॉल डिटेल रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। आरोपित बार-बार ठिकाने बदल रहा था। लेकिन अंततः पुलिस ने उसे दिल्ली से धर दबोचा। कड़ी पूछताछ में आरोपित नरेंद्र ने अपना जुर्म कबूल किया। उसने बताया कि वह आसान तरीके से बड़ी रकम कमाना चाहता था और शानो-शौकत की जिंदगी जीने की चाह में यह कदम उठाया। आरोपित ने बताया कि उसने 2020 में पहली बार शिकायतकर्ता के पास काम किया था, और मार्च 2025 में दोबारा नौकरी शुरू की थी। तभी से उसने इस चोरी की योजना बनाई थी।

दिल्ली स्कूल शिक्षा विधेयक फीस निर्धारण की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाएगा : आशीष सूद

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के मानूसन सत्र में दिल्ली स्कूल शिक्षा (फीस निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता) विधेयक, 2025 पर चर्चा हुई। शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य निजी अनुदानरहित स्कूलों में फीस ढांचे को पारदर्शी, पूर्वानुमेय और जवाबदेह बनाना है। यह विधेयक एक तीन-स्तरीय प्रणाली के माध्यम से स्कूलों में फीस निर्धारण की प्रक्रिया को पारदर्शी और भागीदारीपूर्ण बनाएगा। स्कूल स्तर पर समिति, जिला स्तरीय अपीलीय समिति और राज्य स्तरीय पुनरीक्षण समिति इन समितियों में अभिभावक, शिक्षक और स्कूल प्रबंधन की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि छात्रों पर फीस न देने पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जा

सकेगी। अगर कोई स्कूल ऐसा करता है तो उस पर प्रति छात्र 50,000 रुपये का जुर्माना लगेगा, जो 20 दिन बाद दोगुना और फिर अगले 20 दिन में तीन गुना हो सकता है। यदि स्कूल फीस नियमों का लगातार उल्लंघन करता है तो 10 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। गंभीर मामलों में शिक्षा निदेशक स्कूल की मान्यता निलंबित कर सकते हैं या प्रबंधन अपने हाथ में ले सकते हैं। सूद ने कहा कि यह विधेयक मनमानी फीस वृद्धि पर रोक लगाएगा और निजी शिक्षा में पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा। इससे अभिभावकों को निर्णय प्रक्रिया में लोकतांत्रिक भागीदारी मिलेगी। विधेयक की मुख्य बातें : (तीन-स्तरीय समिति प्रणाली) स्कूल स्तर समिति = हर साल बनेगी और स्कूल की फीस प्रस्ताव का मूल्यांकन करेगी। जिला अपीलीय समिति : स्कूल समिति के निर्णयों पर अपील की सुनवाई। राज्य पुनरीक्षण समिति : इसका निर्णय अगले तीन शैक्षणिक वर्षों तक बाध्यकारी होगा।

स्कूल स्तर समिति में होंगे : स्कूल प्रबंधन का एक प्रतिनिधि (अध्यक्ष), प्रिंसिपल (सचिव), तीन शिक्षक, पांच अभिभावक (लॉटरी से चयन) जिनमें कम से कम (एक एससी/एसटी/पिछड़ा वर्ग से) दो महिलाएं, शिक्षा निदेशक का एक प्रतिनिधि, अभिभावक अधिकतम दो कार्यकाल तक समिति में रह सकेंगे।

दिल्ली-एनसीआर में अगले हफ्ते तक नहीं होगी भारी बारिश

एजेंसी
नई दिल्ली। । दिल्ली-एनसीआर के लोगों को आगामी दिनों में गर्मी और उमस से दो-चार होना पड़ सकता है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की ओर से जारी ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, अगले एक सप्ताह तक भारी बारिश की संभावना बहुत कम है। हालांकि आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी और कुछ क्षेत्रों में हल्की फुहारें या बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, 6 और 7 अगस्त को अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस और 34 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान 26 डिग्री और 25 डिग्री रहेगा। इन दोनों दिनों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी के साथ आमतौर पर बादलों से घिरा आसमान रहने की संभावना है। इन दिनों कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

8 अगस्त से 10 अगस्त तक मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिलेगा। इस दौरान गर्जन के साथ बारिश की संभावना जताई गई है, लेकिन यह बारिश व्यापक या भारी नहीं होगी। तापमान 33-34 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा और न्यूनतम तापमान में भी ज्यादा अंतर नहीं आएगा। हालांकि इस दौरान भी मौसम विभाग ने किसी तरह की चेतावनी नहीं जारी की है।

11 अगस्त को बारिश या गरज-चमक के साथ छींटे पड़ सकते हैं, लेकिन बड़े स्तर पर बारिश की उम्मीद नहीं है। इस दौरान अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन की सूचना पर देह व्यापार में धकेली गई बच्ची को कराया मुक्त

एजेंसी
नई दिल्ली। द्वारका जिले के मोहन गार्डन थाना पुलिस ने एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन की सूचना पर जबरन देह व्यापार के दलदल में धकेली गई 16 साल की एक नाबालिग बच्ची को मुक्त कराया है। पूछताछ में बच्ची ने बताया कि उसे तकरीबन साल भर पहले इस धंधे में धकेल दिया गया। पीड़ित बच्ची ने बताया कि रोजाना 8 से 10 लोग उसका शोषण करते थे । पुलिस ने मामला दर्ज कर एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। फिलहाल पुलिस इस गिरोह में शामिल अन्य संदिग्धों के बारे में तहकीकात कर रही है।

एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन (एवीए) के निदेशक मनीष शर्मा ने बताया, 'हमारी टीम खुद को ग्राहक की तरह पेश करते हुए गिरोह तक पहुंची थी। हमें उनका भरोसा जीतने में एक करीब महीना लगा। काफी सौदेबाजी के बाद हमने आरोपित को ऑनलाइन पेमेंट किया लेकिन इसके बाद उसने तुरंत अपना ठिकाना बदल लिया। आखिर में उसने हमें द्वारका बुलाया। हमारी टीम ने तत्काल द्वारका के डीसीपी अंकित सिंह को इस बाबत जानकारी दी। डीसीपी ने तुरंत अपनी टीम को सूचित किया और छापे की तैयारी की।' मनीष शर्मा ने बताया कि पुलिस ने मकान से इब्राहिम नाम के एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उसने बताया कि वह अकेला नहीं है बल्कि उसके पीछे एक पूरा गिरोह है। शर्मा ने बताया कि

आरोपित ने आखिरी वक्त पर फिर अपना ठिकाना बदल लिया और उन्हें द्वारका के पास मोहन गार्डन के एक फ्लैट में बुलाया। डीसीपी ने मोहन गार्डन थाने की पुलिस से बात कर यह सुनिश्चित किया कि छापे में कोई अड़चन नहीं आए। चार अगस्त को मौके पर पहुंचने पर हमारी टीम को वहां से शराब की खाली बोतलें, दर्द निवारक दवाइयां, कुछ एंटी बायोटिक और यौन संक्रमण के इलाज में काम आने वाली कुछ दवाइयां मिलीं। शोषण के शिकार ज्यादातर बच्चे बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों के हैं। इन बच्चों को ट्रैफिकिंग के जरिए महानगरों मे लाया जाता है जहां उन्हें देह व्यापार के दलदल में धकेल दिया जाता है।बच्ची ने पूछताछ में बताया, सहेली ने मुझे एक भईया से मिलवाया जिन्होंने मुझे ढेर सारे पैसे कमाने के सपने दिखाए। तब मुझे समझ में नहीं आया कि मुझे किस दलदल में धकेला जा रहा है।

ट्रैफिक सिग्नल पर साधु बनकर करते थे लूटपाट, चार गिरफ्तार

एजेंसी
नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के मोती नगर थाना पुलिस ने साधु बनकर ट्रैफिक सिग्नल पर लूटपाट करने वाले बहुरूपियों के गिरोह के चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान विनोद कामत, कबीर, बिरजू और गुरचरण सिंह के रूप में हुई है। इनके कब्जे से 61 हीरे के छोटे टुकड़े, एक महिला की छीनी गई अंगूठी का पिघला हुआ सोना, एक ऑटो-रिक्शा, साधु के कपड़े और श्रृंगार सामग्री बरामद की है।

पश्चिमी जिले के डीसीप विचित्र वीर ने बताया कि एक अगस्त को एक महिला ने शादीपुर फ्लाईओवर पर अपनी अंगूठी छीने जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। महिला ने बताया कि वह रैपिडो टैक्सी से कनॉट प्लेस जा रही थी, तभी भगवा कपड़े पहने तीन युवक साधु के वेश में उसकी टैक्सी के पास आए और पैसे मांगने लगे। जैसे ही महिला ने दो सौ रुपए दिए, एक ने उसकी अंगुली से सोने और हीरे की अंगूठी झपट ली और सभी ऑटो-रिक्शा में फरार हो गए। शिकायत पर मामला दर्ज कर एक टीम ने घटनास्थल की सीसीटीवी फुटेज खंगाली।फुटेज से ऑटो की पहचान कर उसके मालिक तक पहुंचा गया। जिसने बताया कि ऑटो विनोद कामत को किराए पर दिया गया था। विनोद को अशोका पार्क मेट्रो स्टेशन से दबोचा गया। जिसकी निशानदेही पर कबीर और बिरजू को पंजाबी बाग क्षेत्र की झुग्गियों से पकड़ा गया। आरोपितों ने खुलासा किया कि छीनी गई अंगूठी को 26 हजार रुपये में सुनार गुरचरण सिंह को बेचा था। पुलिस ने जीटीबी नगर स्थित दुकान पर छापा मारकर गुरचरण को भी दबोचा। जहां से अंगूठी का पिघला सोना और हीरे के टुकड़े बरामद हुए। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपित कबीर, गिरोह के सदस्य बिरजू का बेटा है और बिरजू का एक और भाई, जो फरार है, वह भी गिरोह में शामिल है। विनोद कामत, बिरजू का दोस्त है और गुरचरण सिंह को चोरी का माल बेचता था। पूरा गिरोह पारिवारिक संबंधों के जरिए संचालित हो रहा था।

सालों से बंद 'यू स्पेशल बस सेवा' फिर होगी शुरू : रेखा गुप्ता

एजेंसी
नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सोशल सेंटर स्कूल (मौरिस नगर) के नए शैक्षणिक ब्लॉक का उद्घाटन करते हुए राजधानी के छात्रों को एक बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि वर्षों से बंद पड़ी यू स्पेशल बस सेवाओं को फिर से शुरू किया जाएगा। ये बसें अब आधुनिक सुविधाओं से युक्त होंगी, जिनमें एयर कंडीशनिंग, एलईडी लाइटिंग और म्यूजिक सिस्टम जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। मुख्यमंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि दिल्ली विश्वविद्यालय को कुछ स्कूलों को गोद लेना चाहिए ताकि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और छात्र नियमित रूप से इन विद्यालयों में जाकर स्कूली बच्चों का मार्गदर्शन करें।

मुख्यमंत्री ने सोशल सेंटर स्कूल की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि 1947 में सामाजिक सेवा के उद्देश्य से शुरू हुआ यह स्कूल अब एक भव्य चार मंजिला इमारत और 21 आधुनिक कक्षाओं वाले संस्थान में बदल चुका है।

मुख्यमंत्री ने इस स्कूल की देख- रेख व नवीनीकरण के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की सराहना की। मुख्यमंत्री ने मौके पर विद्यालय को कक्षा 12वीं तक की पढ़ाई के लिए मान्यता देने की भी घोषणा की। इस उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री के साथ दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद, दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह, महापौर राजा इकबाल सिंह, स्थानीय विधायक, विश्वविद्यालय एवं शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा सुधारों के प्रति हमारी सरकार की प्रतिबद्धता और छात्रों के भविष्य को लेकर उनकी संवेदनशीलता दिल्ली को 'श्रेष्ठ शिक्षा, श्रेष्ठ भविष्य' की दिशा में मजबूती से आगे ले जा रही है। उल्लेखनीय है कि यू-स्पेशल बसें दिल्ली के कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए ही थी। ये दिल्ली के विभिन्न व खास इलाकों से चलती थी और मशहूर कॉलेजों तक जाती थी। इनमें सिर्फ कॉलेज विद्यार्थी ही बैठते थे। दोपहर के बाद ये बसें फिर से विभिन्न कॉलेजों, नॉर्थ कैंपस व साउथ कैंपस से रवाना होती थीं। उस दौरान छात्रों के लिए ये बसें बेहद सुविधाजनक मानी जाती थीं। नब्बे के दशक में दिल्ली में प्राइवेट रेड लाइन बसें और बाद में ब्लू लाइन बसें शुरू हुई। इसके बाद डीटीसी बसें लगातार कम होती गईं। परिणाम स्वरूप यू स्पेशल बसें भी बंद हो गईं।

फर्जी एक्सिस बैंक अधिकारी बनकर करते थे ठगी, पांच गिरफ्तार

एजेंसी
नई दिल्ली । दक्षिण पश्चिम जिले की साइबर थाना पुलिस ने एक ऐसे साइबर अपराध गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो सुनियोजित तरीके से लोगों को ठग रहा था। गिरोह के सदस्य खुद को एक्सिस बैंक का कर्मचारी बताकर लोगों से उनके क्रेडिट कार्ड की गोपनीय जानकारी और ओटीपी प्राप्त कर हजारों-लाखों की ठगी कर रहे थे। पुलिस ने गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। इनके साथ गिरोह में एक महिला भी शामिल थी। पुलिस ने आरोपितों के पास से बड़ी मात्रा में डिजिटल उपकरण, बैंक दस्तावेज़, फर्जी कंपनियों की मुहरें और क्यूआर कोड स्कैनर बरामद किए हैं। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी अमित गोयल के अनुसार 20 जून को साइबर थाने में एक शिकायत प्राप्त हुई। जिसमें पालम कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि उसे एक कॉल आया जिसमें कॉल करने वाला खुद को एक्सिस बैंक का कर्मचारी बता रहा था। उसने पीड़ित को उसके खाते की कुछ निजी जानकारी देकर विश्वास में लिया और रिवॉर्ड पॉइंट रिडेम्प्शन के नाम पर क्रेडिट कार्ड का ओटीपी प्राप्त कर लिया। इसके बाद पीड़ित के एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड से 96,000 हजार की ठगी कर ली गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए इंस्पेक्टर प्रवेश कौशिक की देखरेख में पुलिस टीम ने जांच शुरु की। टीम ने गहन तकनीकी निगरानी, कॉल डिटेल ,बैंक की जानकारी, एटीएम में लगे सीसीटीवी फुटेज और नोब्रोकर एप की ट्रांजैक्शन रिपोर्ट का विश्लेषण किया। एटीएम फुटेज में एक चेहरे पर नकाब लगाए युवक को पैसे निकालते देखा गया। जिसके आधार पर संदिग्धों की पहचान शुरू हुई। डीसीपी के अनुसार तकनीकी जानकारी के आधार पर टीम ने मोहान गार्डन, उत्तम नगर स्थित एक किराए के मकान पर छापा मारा। जहां से तीन आरोपित अतुल कुमार, सन्नी कुमार सिंह और कौशल कुमार को दबोचा। यह मकान गिरोह ने ही फर्जी बैंक खाता खोलने और साइबर ठगी के संचालन हेतु किराए पर लिया था। पूछताछ में आरोपित अतुल कुमार ने बताया कि उसे उसके परिचित सन्नी कुमार सिंह ने कौशल कुमार से मिलवाया। कौशल कुमार पहले कई प्राइवेट बैंकों में काम कर चुका है और बैंक खाता खोलने की पूरी प्रक्रिया में पारंगत है। उसने अतुल के नाम से फर्जी कंपनी बनवायी ताकि वर्तमान खाता खोला जा सके। कौशल कुमार ने साइबर अपराधियों को ऐसे कई फर्जी खाते और किट उपलब्ध कराए। उसने मोहन गार्डन में किराए पर ऑफिस लेकर खाता खोलने का पूरा धंधा शुरू किया था।

माता-पिता और संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंतता दें

- ललित गर्ग -

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें परिवारों के विकास में माता-पिता और उनके जैसे लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करने का अवसर प्रदान करता है। 2025 के लिए थीम है ह्यमाता-पिता का पालन-पोषणह्ल। यह थीम माता-पिता के रूप में पालन-पोषण को एक महत्वपूर्ण कौशल के रूप में मान्यता देती है और हमें माता-पिता के रूप में बच्चों के विकास और कल्याण के लिए उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करती है। अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं।

माता-पिता ही बच्चों की सुरक्षा, विकास व समृद्धि के बारे में सोचते हैं। बावजूद बच्चों द्वारा माता-पिता की लगातार उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं प्रताड़ना की स्थितियों बढ़ती जा रही है, जिन पर नियंत्रण के लिये यह दिवस मनाया जाता है। भारत में जहां कभी संतानें पिता के चेहरे में भगवान और मां के चरणों में स्वर्ग देखती थीं, आज उसी देश में संतानों के उपेक्षापूर्ण व्यवहार के कारण बड़ी संख्या में बुजुर्ग माता-पिता की स्थिति दयनीय होकर रह गई है। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है। प्रश्न है कि दुनिया में अभिभावक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों अभिभावकों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि अभिभावकों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल अभिभावकों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। विचारणीय है कि अगर आज हम माता-पिता का अपमान करते हैं, तो कल हमें भी अपमान सहना होगा। समाज का एक सच यह है कि जो आज जवान है उसे कल माता-पिता भी होना होगा और इस सच से कोई नहीं बच सकता। हमें समझना चाहिए कि माता-पिता परिवार एवं समाज की अमूल्य विरासत होते हैं। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए 2007 में माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण विधेयक संसद में पारित किया गया है। इसमें माता-पिता के भरण-पोषण, वृद्धाश्रमों की स्थापना, चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा का प्रावधान किया गया है। लेकिन इन सब के बावजूद हमें अखबारों और समाचारों की सुर्खियों में माता-पिता की हत्या, लूटमार, उत्पीड़न एवं उपेक्षा की घटनाएं देखने को मिल ही जाती है।

विश्व में इस दिवस को मनाने के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, परन्तु सभी का मुख्य उद्देश्य यह होता है कि वे अपने माता-पिता के योगदान को न भूलें और उनको अकेलेपन की कमी को महसूस न होने दें। हमारा भारत तो माता-पिता को भगवान के रूप में मानता है। इतिहास में अनेकों ऐसे उदाहरण है कि माता-पिता की आज्ञा से भगवान श्रीराम जैसे अवतारी पुरुषों ने राजपाट त्याग कर वनों में विचरण किया, मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार ने अपने अन्धे माता-पिता को काँवड़ में बैठाकर चारधाम की यात्रा कराई। फिर क्यों आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बढ़ती जा रही है। आज के माता-पिता समाज-परिवार से कटे रहते हैं और सामान्यतः इस बात से सर्वाधिक दुःखी है कि जीवन का विशद अनुभव होने के बावजूद कोई उनकी राय न तो लेना चाहता है और न ही उनकी राय को महत्व देता है। समाज में अपनी एक तरह से अहमियत न समझे जाने के कारण हमारे माता-पिता दुःखी, उपेक्षित एवं त्रासद जीवन जीने को विवश है। माता-पिता को इस दुःख और कष्ट से छुटकारा दिलाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। सीमा तक, कितना, किस रूप में और कितनी बार होता है तथा इसके पीछे कारण क्या हैं, इस पर हुए शोध में पता चला कि 82 प्रतिशत पीड़ित बुजुर्ग अपने परिवार के सम्मान के चलते इसकी शिकायत नहीं करते। शोध के निष्कर्षों के अनुसार अभिभावकों पर होने वाले अत्याचार एवं दुर्व्यवहार की स्थितियां चिन्तनीय है। जिनमें परिजनों एवं विशेषतः बच्चों के हाथों बुजुर्ग अपमान (56 प्रतिशत), गाली-गलौच (49 प्रतिशत), उपेक्षा (33 प्रतिशत), आर्थिक शोषण (22 प्रतिशत) और शारीरिक उत्पीड? का शिकार (12 प्रतिशत) होते हैं और ऐसा करने वालों में बहुओं (34 प्रतिशत) की अपेक्षा बेटों (52 प्रतिशत) की संख्या अधिक है जबकि पिछले सर्वेक्षणों में बहुओं की संख्या अधिक पाई गयी है। प्रौद्योगिकी ने भी बुजुर्गों की उपेक्षा और उनसे दुर्व्यवहार में अपना योगदान दिया है और संतानें अपने माता-पिता की अपेक्षा मोबाइल फोन और कम्प्यूटरों को अधिक तवज्जो देती हैं। इसका बुजुर्गों के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

अभिभावकों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। अभिभावकों के लिये भी यह जरूरी है कि वे वार्धक्य को ओढ़े नहीं, बल्कि जीएं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे ह्लसबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वासह्लह्ल की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं।

माता पिता ही है जो हमें सच्चे दिल से प्यार करते हैं बाकी इस दुनिया में सब नाते रिश्तेदार झुठे होते हैं। पता नहीं क्यों हमे हमारे पिता इतना प्यार करते हैं, दुनिया के बैंक खाली हो जाते हैं मगर पिता की जेब हमेशा हमारे लिए भरी रहती हैं। पता नहीं जरूरत के समय न होते हुए उनके पास अपने बच्चों के लिये कहां से पैसे आ जाते हैं। भगवान के रूप में माता-पिता हमें एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है।

सफलता-असफलता के बीच का संतुलन, प्रयास

हम देखेंगे.. लाजिम है कि हम भी देखेंगे... मशहूर शायर फैज अहमद फैज़ ने ये नज्म साढ़े चार दशक पहले तब लिखी थी जब पाकिस्तान में जनरल जिया उल हक ने हुकूमत की बागडोर संभाली थी। लेकिन इस नज्म को लोकप्रियता हासिल हुई 1986 में इकबाल बानो के जरिए। दरअसल, जिया-उल-हक की सरकार ने साड़ी को गैर इस्लामिक बताकर उस पर रोक लगा दी थी, जिसके विरोध में इकबाल बानो ने सफेद साड़ी पहनकर एक बड़े जनसमूह के सामने यह नज्म गायी थी। इसकी एक पंक्ति 'सब ताज उछाले जायेंगे, सब तख्त गिराए जायेंगे' गाते ही भीड़ ने 'इंकलाब जिंदाबाद' नारे लगाने शुरू कर दिये। उसी वक्त से यह नज्म सरकार और उसके तंत्र के प्रति असंतोष व्यक्त करने, प्रतिकार करने का माध्यम बन गई। भारत में भी जनवादी-प्रगतिशील संगठनों और जन आंदोलनों ने इसे हाथों-हाथ ले लिया और इस नज्म ने जनगीत की शक्ल अख्तियार कर ली।

बरसों-बरस यह नज्म जलसों-जुलूसों, धरने-प्रदर्शनों, बैठकों-सभाओं में गायी जाती रही। सरकारें आती-जाती रहीं, इस रचना में किसी को कोई बुराई नजर नहीं आई। लेकिन फिर 2019 आया जब बाकी देश की तरह आईआईटी कानपुर के छात्र नागरिकता संशोधन कानून (सीएए-एनआरसी) के विरोध में इकठ्ठा हुए और यह नज्म गायी। दूसरे पक्ष के कुछ छात्रों ने इस नज्म को हिन्दू विरोधी बताते हुए बवाल खड़ा कर दिया। उन्होंने संस्थान के निदेशक को शिकायत की कि यह नज्म से उनकी धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली है। इस पर संस्थान ने एक जांच समिति का गठन कर दिया। समिति ने अपनी जांच में पाया कि फैज़ की यह नज्म हिंदू विरोधी नहीं, बल्कि सत्ता के विरोध का प्रतीक है। हालांकि यह तथ्य, साहित्य की सामान्य समझ रखने वाला कोई भी व्यक्ति बता सकता था।

लेकिन जब किसी विचारधारा के प्रति विद्वेष सामान्य बुद्धि पर हावी हो जाये तो कानपुर की घटना का दोहराव होना ही होता है। हाल ही में यह हुआ भी। 2015 की अत्यधिक चर्चित और पुरस्कृत मराठी फिल्म 'कोर्ट' के अभिनेता वीरा साथीदार की स्मृति में नागपुर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। वीरा एक लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता थे। 2021 में महज 61 साल की उम्र में उनकी मृत्यु हो गई। फिल्म 'कोर्ट' में उन्होंने नारायण कांबले का किरदार निभाया था। इस फिल्म ने दुनियाभर में लगभग 60 करोड़ की कमाई की थी। वीरा के स्मृति आयोजन में 'हम देखेंगे...' नज्म गायी गयी। किसी दक्षिणपंथी संगठन के सदस्य ने इसकी शिकायत पुलिस को कर दी। पुलिस ने भी आनन-फानन में मामला दर्ज कर लिया। उसने स्व. साथीदार की पत्नी पुष्पा समेत अन्य के खिलाफ देश की एकता-अखंडता को नुकसान पहुंचाने, धार्मिक भावना भड़काने और अशांति फैलाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है।

शिकायत में कहा गया है कि फैज की कविता में 'सिंहासन हिलाने' और 'तानाशाही के दौर' जैसी बातें कही गई हैं। वह भी ऐसे समय में जब पहलगाम हादसे के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चल रहा है। अब यह कोई लाल बुझक्कड़ ही बता सकता है कि सालों से गायी जा रही एक नज्म या कविता का दो देशों के बीच उपजे तनाव से क्या वास्ता हो सकता है- खासतौर से तब, जब वह नज्म किसी देश, समाज या धर्म के विरोध में नहीं, बल्कि तानाशाही और अन्याय के विरुद्ध लिखी गई हो। यहां ये बताना लाजिमी है कि अटल बिहारी वाजपेयी जैसे कद्दावर नेता भी फैज अहमद फैज के प्रशंसक थे और जिस नज्म पर इस वक्त सवाल खड़े किये जा रहे हैं, वह भी अटल जी को बेहद पसंद थी। लेकिन न जाने क्यों दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी और मजबूती का दावा करने वाली उसकी सरकार को अपने इस पुरखे के आचरण-व्यवहार से सबक लेना चाहिये।

फैज़ की बात चली है तो यह बताना जरूरी है कि 2022 में सीबीएसई ने 10वीं कक्षा सामाजिक विज्ञान की किताब से उनकी कुछ कविताएं और लोकतंत्र से संबंधित अध्याय हटा दिये थे। इधर हाल ही में अशोका यूनिवर्सिटी के प्रो. अली खान महमूदाबाद को सोशल मीडिया पर उनकी एक पोस्ट के बहाने गिरफ्तार किया गया, अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर उन्हें अंतरिम जमानत मिल गई है। प्रो. खान के खिलाफ शिकायत करने वाली हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया,एक खबरिया चैनल की एंकर के छः बार पूछने पर भी बता नहीं पाईं कि आखिर उस पोस्ट में कौन सा शब्द, कौन सा वाक्य आपत्तिजनक था। इन्हीं मोहतरमा का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे राम रहीम को बलात्कारी कहने से बचती नजर आ रही हैं। रेनू भाटिया की तरह भाजपा का कोई नेता या कार्यकर्ता नहीं बता पा रहा है कि जब कर्नल सोफिया कुरैशी और भारतीय सेना के बारे में अनर्गल बयान देने वाले मंत्रियों को बचाने की सारी कोशिशें की जा रही है, तब प्रो. महमूदाबाद और पुष्पा साथीदार पर कार्रवाई क्यों की गई। क्या सिर्फ इसलिए कि दोनों में से एक मुसलमान है और दूसरा अंबेडकरवादी! यह याद रखा जाना चाहिये कि हिन्दुस्तान हमेशा से उदार प्रवृत्तियों वाला देश रहा है और यहां असहमतियों-आलोचनाओं का सम्मान होते आया है। सरकार से अलग राय रखने और सवाल पूछने वालों पर बेजा कार्रवाई कर जनता को डराने की कोशिश ही न की जाये तो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए अच्छा होगा। वरना एक न एक दिन यह डर खत्म हो जायेगा। और तब क्या होगा - हम देखेंगे...

आंखों से बार-बार पानी आना किस बीमारी का लक्षण है?

आंखों से बार बार पानी आना कई बीमारियों का लक्षण होता है. कई बार यह बीमारी गंभीर भी हो सकती है. यदि आप कंप्यूटर, लैपटॉप या मोबाइल पर ज्यादा समय बिताते हैं तो आपको ड्राई आई की समस्या हो सकती है. ड्राई आई होने पर बार बार पानी आता है. यदि ऐसा नहीं है तो आपको इसकी जांच जरूर करवानी चाहिए. आंखों में बार बार पानी आना किस बीमारी के लक्षण है. इस बारे में हमने बात की सीनियर आई सर्जन से। अक्सर हमारी आंखों से बिना कारण पानी निकलने लगता है. यह आंखों की गंभीर बीमारी का लक्षण हो सकता है. आंखों में ड्राइनेस या धूल और बाल जाने के कारण भी ऐसा हो सकता है. कई बार धूल के कण ऐसे स्थान पर होते हैं जिनके कारण आंखों में खुजली या असहजता नहीं होती, लेकिन आंखों का सिस्टम उसे बाहर निकालने के लिए पानी का सहारा लेता है. इसके अलावा कई बीमारियां भी हैं जिनके कारण बार बार आंखों से पानी आता है.

इन बीमारियों में आता है आंखों में बार बार पानी

एमएमजी अस्पताल के सीनियर आई सर्जन डॉ. नरेंद्र कुमार बताते हैं कि बिना कारण आंखों से पानी आना आंसुओं की ग्रंथि की समस्या का लक्षण होता है. आंसू की नलिका में किसी तरह का अवरोध होता है तो बार बार आंखों में पानी आता है.इसके अलावा यदि पलकों में किसी तरह की समस्या है तब भी आंखों में पानी आता है. पलकों का बाहर या अंदर ओर मुड़ने के कारण भी ऐसा होता है. इसके अलावा बेल्स पाल्सी के कारण भी ऐसा होता है. बेल्स पाल्सी एक तंत्रिका संबंधी विकार है. इसमें चेहरे की मांसपेशियां प्रभावित होती हैं. जिससे आंखें बंद होने या पलकें ठीक से बंद न होने की समस्या हो सकती है. जिसके कारण बार बार आंख से पानी आता है. डॉ. नरेंद्र कुमार कहते हैं कि यदि आंखों से बार बार पानी आ रहा है तो आपको डॉक्टर से जांच करवानी चाहिए. इसके लिए घरेलू नुस्खे या लापरवाही आंखों के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं।

हम नहीं देख पाए, वो अब भी गा रहे थे

प्रियंका सौरभ

शहर की चमचमाती सड़कों, ऊंची इमारतों और बंद खिड़कियों के पीछे जब हम जीवन को व्यस्तताओं की कैद में जी रहे होते हैं, तब कहीं दूर गांवों की बाल्कनियों में जीवन अब भी खुले आकाश के नीचे साँस ले रहा होता है। वहां सुबहें अब भी चिड़ियों की चहचहाहट से शुरू होती हैं, दोपहरें कोयल की तान से सजी होती हैं, और रातें उल्लुओं की टेर में गूंजती हैं। यह लेख उन्हीं स्मृतियों और अनुभवों की यात्रा है – एक गांव की बाल्कनी में बैठकर महसूस की गई उस दुनिया की, जो कभी हमारी थी, लेकिन जिसे हमने शहर के शोर में कहीं खो दिया। जब मैं हाल ही में गांव आई, तो एक शाम अपनी बाल्कनी में बैठी थी। अचानक एक चिड़िया ने ध्यान खींचा। वो जानी-पहचानी सी लगी – भूरे और सफेद रंग की, फुतीर्ली और बेहद चंचल। उसे देखते ही जैसे मन के किसी कोने से आवाज आई – "धौर्रईया!" हाँ, यही तो कहते थे हम बच्चे जब नानी के घर आया करते थे। गर्मियों की छुट्टियों में जब पूरा कुनबा गांव में इकट्ठा होता, तो आंगन में बैठकर हम सब बच्चे इन्हीं चिड़ियों के पीछे भागते, उन्हें दाना डालते, और उनके नामों पर बहस करते। "ये गौरैया नहीं, धौर्रईया है," मेरा चचेरा भाई अकड़कर कहता। शहर में रहते हुए पक्षियों की पहचान ही सीमित हो जाती है। कौए, कबूतर, तोते और कभी-कभार गौरैया – बस यही दिखाई देते हैं। लेकिन यहां गांव में जैसे किसी भूली-बिसरी किताब के पन्ने फिर से खुल गए हों। मेरी बाल्कनी के सामने ही एक पेड़ है, जिस पर सुबह-सुबह मैना और बुलबुल आती हैं। दूर खेतों में मोर नाचते हैं, और उनकी कूक जैसे किसी पारंपरिक संगीत का हिस्सा हो। नीलकंठ की एक झलक भी दिखती है, और वो नीला रंग आंखों को ताजगी देता है। टिटहरी की टिट-टिट, जलमुर्गी की फुर्ती, कोयल की कुहू-कुहू, और तितर की दौड़ – ये सब मिलकर एक ऐसी सजीव दुनिया रचते हैं जिसे शहरों में हमने कभी ठीक से जाना ही नहीं। शहरों की भीड़ में रहते हुए हम जैसे संवेदना शून्य होते चले जाते हैं। वहां सुबह मोबाइल अलार्म से होती है, यहां मुर्गे की बांग से। वहां हवा एसी की होती है, यहां आम के पेड़ की। वहां आसमान धुंध से भरा होता है, यहां पक्षियों की उड़ान से। रात के सन्नाटे में जब गांव में दो उल्लू नियमित रूप से आकर एक पुराने नीम के पेड़ पर बैठते हैं, तो एक अलग ही एहसास होता है। शहर में उल्लू शब्द एक अपमान या अंधविश्वास से जुड़ा होता है, लेकिन यहां वो जैसे रात के शिक्षक हों – प्रकृति का संतुलन बनाए रखने वाले मौन प्रहरी। जब मैंने अपनी नानी से पूछा कि इस चिड़िया को धौर्रईया ही कहते थे न, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए सिर हिलाया, "हाँ बिटिया, यही तो है। अब ये शहरों में कहां दिखती है। तुम लोग ही कहां रहते हो वहां, जो देख पाओगे।" इस बात ने भीतर तक झकझोर दिया। क्या सचमुच ये पक्षी विलुप्त हो रहे हैं, या हम ही उन जगहों से विलुप्त हो गए हैं जहां जीवन और प्रकृति एकसाथ सांस लेते हैं? गांव की यह बाल्कनी एक खिड़की बन गई थी – केवल बाहर देखने की नहीं, बल्कि अपने भीतर झांकने की। मुझे याद आने लगीं नानी की कहानियाँ, वो दोपहरें जब पेड़ की छांव में बैठकर चिड़ियों के घोंसलों को निहारा करते थे, वो मटर के खेत जिनमें तीतर भागते थे, और वो पोखर जहां जलमुर्गियाँ अपने बच्चों के साथ तैरती थीं। हमारी पीढ़ी ने मोबाइल की स्क्रीन पर बर्ड इमोजी तो देखी, लेकिन उनके असली रंग नहीं। हमने गूगल पर बर्ड कॉल्स सुने, लेकिन कभी खुले आसमान के नीचे बैठकर चिड़ियों की सुबह की सभा नहीं देखी। गांव आकर यह एहसास हुआ कि हमारी भागदौड़ में हमने वो सब पीछे छोड़ दिया है, जिसे देखकर हमारी आत्मा मुस्कुराया करती थी। पक्षी केवल उड़ने वाले प्राणी नहीं हैं, वो हमारे अतीत के हिस्से हैं। हमारे लोकगीतों, कहानियों, और भावनाओं में बसे हुए साथी हैं। "कागा सब तन खाइयो, चून-चून खइयो मांस" – कबीर के इस दोहे से लेकर मीराबाई की कोयल और तुलसी की चातक तक, हर पक्षी हमारी संस्कृति का अनिवार्य हिस्सा रहा है।

मुझे याद है जब पहली बार शहर आई थी, तो सोचती थी कि वहां की चकाचौंध ही जीवन का लक्ष्य है। लेकिन अब समझ में आता है कि रोशनी जरूरी है, पर हर रोशनी सूरज नहीं होती। कुछ रोशनियाँ ऐसी भी होती हैं जो आंखों को चौंधिया देती हैं, पर मन को अंधेरा कर देती हैं।

गांव की इस बाल्कनी में बैठे-बैठे एक नन्ही सी चिड़िया बार-बार आती है, कुछ पल बैठती है, फिर उड़ जाती है। उसे देखकर लगता है जैसे वो मेरी स्मृतियों में पंख लगा रही हो। हर बार जब वो उड़ती है, एक पुरानी याद हवा में तैर जाती है।

हम प्रकृति से जितना दूर होते जा रहे हैं, उतना ही खालीपन हमारे भीतर बढ़ता जा रहा है। मानसिक स्वास्थ्य से लेकर सामाजिक दूरी तक, आधुनिक जीवन के संकटों का एक बहुत बड़ा कारण यह भी है कि हम जमीन से, पेड़ों से, पक्षियों से और अपने मूल से कटते जा रहे हैं।

ट्रम्प को नहीं मिली कोई सफलता

- अंजन रॉय

अपने घोषित लक्ष्यों की किसी भी स्पष्ट उपलब्धि से वंचित अमेरिकी राष्ट्रपति ने बार-बार भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम को अपने श्रेय के रूप में लिया। उन्होंने बार-बार दावा किया कि यह उनके 'व्यापार के उपयोग के कारण था जिसके परिणामस्वरूप संघर्ष विराम हुआ'। इस दावे को भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बार-बार खारिज किया है।

इस साल 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रम्प ने दूसरी बार संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी, तब से एक सौ तीस दिन बीत चुके हैं। शुरूआती दिनों में बड़ी उम्मीदें जगाने के बाद, अति सक्रिय राष्ट्रपति अब धीरे-धीरे इस तथ्य को स्वीकार कर रहे हैं कि वे एक बड़ी विफलता हैं। 'ट्रम्प हमेशा पीछे हटते हैं।' यह एक ऐसा लेबल है जिसे चीनी नेटिजेंस ने उनके लिए गढ़ा था क्योंकि वे टैरिफ पर चीन के साथ लड़ाई से डरते थे। ट्रम्प ने चीनी वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ को 145प्रतिशत तक बढ़ा दिया था और बातचीत शुरू होने से पहले ही चरणों में इसे 30प्रतिशत तक कम कर दिया था।

चीनियों ने ट्रम्प की रियायतों को टैरिफ युद्ध में चीन के साथ उलझने के उनके डर के रूप में वर्णित किया। इसके तुरंत बाद प्रसिद्ध वॉल स्ट्रीट में उनके अपने देशवासियों ने उन्हें 'टैको(ट्रम्प ऑलवेजचिकन्स आऊट) ट्रेड' की उपाधि दी, जिसका संदर्भ टैरिफ पर उनके तेजी से बदलते रुख के आधार पर अमेरिकी शेयर बाजारों में होने वाले उतार-चढ़ाव से था।

जब एक रिपोर्टर ने ओवल ऑफिस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीधे अमेरिकी राष्ट्रपति से यह सवाल पूछा, तो वह स्पष्ट रूप से गलत ढंग से पेश आये। उन्होंने इसे 'सबसे घटिया सवाल' बताया और उसे फिर कभी इसे न उठाने के लिए कहा। उन्हें यह साबित करने में बहुत मेहनत करनी पड़ी कि वे कायर नहीं हैं।

लेकिन अब सर्वव्यापी बैज का खंडन करने के उनके प्रयासों से, ट्रम्प अब एक मुखर व्यक्ति साबित हुए हैं, जो अपने वायदों के लायक नहीं हैं और वे जिन मुद्दों को उठा रहे थे, उन पर सख्त रुख अपनाने की बात कर रहे हैं। चाहे वह यह दावा हो कि वे सत्ता में आने पर एक दिन में यूक्रेन युद्ध को रोक देंगे। या फिर अमेरिकी संघीय खर्च और बजट घाटे को कम करने के उनके दावे हों- सभी मामलों में, ट्रम्प को धोखेबाज कहा गया है।ट्रम्प के सबसे करीबी सहयोगी, एलन मस्क, जिन्हें उन्होंने सरकारी दक्षता के लिए विभाग का प्रमुख नियुक्त किया था - तथाकथित डोज (डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एक्सपेंडिचर) - ने बुधवार को अपने कदम पीछे खींच लिए और वास्तव में उन्होंने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने संघीय खर्च में कटौती करने में ट्रम्प की विफलता की सार्वजनिक रूप से आलोचना की। वास्तव में, मस्क को एक टीवी साक्षात्कार में स्पष्ट रूप से यह कहते हुए सुना गया था कि सैन्य और रक्षा में संघीय खर्च में भारी कर कटौती और बड़ी बढ़ोतरी को मंजूरी देने के लिए बहुचर्चित 'बड़ा और सुंदर' विधेयक वास्तव में डोनाल्ड ट्रम्प के पहले के वायदों से मुकरना था। इस विधेयक से अमेरिकी संघीय घाटे में 3.8 ट्रिलियन डॉलर की वृद्धि होगी। यह उनके द्वारा वायदा किये गये कमी लाने के स्थान पर अमेरिकी सरकार के घाटे में एक बहुत बड़ी उछाल है। मस्क ने विडंबनापूर्ण रूप से बताया है कि यह विधेयक या तो बड़ा हो सकता है या सुंदर, यह दोनों नहीं हो सकता, जो ट्रम्प के वर्णन के बिल्कुल विपरीत है। मस्क वस्तुतः यह कह रहे हैं कि ट्रम्प अमेरिकी राजकोषीय उलझन के अपने वायदे किये गये बड़े टिकट सुधारों से पीछे हट रहे हैं। शेक्सपियर के शब्दों का उपयोग करते हुए, डोनाल्ड ट्रम्प के लिए उन्होंने कहा यह सबसे निर्दयी कटौती है।

ट्रंप ने कहा-अमेरिका के लिए भारत अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने कहा कि भारत का शुल्क (टैरिफ) बहुत ज्यादा है। इसलिए अमेरिका उसके साथ कम व्यापार करता है। उन्होंने कहा कि इसलिए अमेरिका के लिए भारत अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं है। द व्हाइट हाउस ने अपने समाचार प्रभाग में सीएनबीसी को दिए राष्ट्रपति ट्रंप के साक्षात्कार के मुख्य अंश पांच अगस्त को प्रसारित किए हैं। इनमें यह बात कही गई है। ट्रंप ने कहा कि भारत हमारे साथ बड़ा व्यापार करता है। अमेरिका उस अनुपात में भारत के साथ काफी कम व्यापार करता है। उन्होंने कहा, इसलिए मैं 25 फीसद टैरिफ पर सहमत हुआ हूं। मुझे लगता है कि मैं अगले 24 घंटों में इसे काफी बढ़ा दूंगा। भारत रूस से तेल खरीद रहा है। यही नहीं भारत युद्धक विमानों को ईंधन दे रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सीएनबीसी के स्क्वॉक बॉक्स में अपने दूसरे कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए अपनी प्राथमिकताएं भी गिनाईं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने चीन के साथ संबंधों पर कहा, यदि हम कोई समझौता कर लेते हैं, तो सबसे अधिक संभावना है कि मैं वर्ष के अंत से पहले चीन के साथ बैठक करूंगा। वैसे भी हम समझौते के बहुत करीब पहुंच रहे हैं।

टैरिफ नीति पर ट्रंप को निक्की हेली की सलाह- भारत जैसे मजबूत सहयोगी से रिश्ते न बिगाड़ें

वॉशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत से रिश्ते न बिगाड़ने की सलाह दी है।पूर्व राजदूत हेली ने कहा है कि भारतीय सामानों पर भारी टैरिफ से भारत-अमेरिकी संबंधों में खटास आ सकती है।इससे पहले ट्रंप ने एकबार फिर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह अगले 24 घंटों में भारत पर टैरिफ और बढ़ाएंगे।हालांकि ट्रंप ने भारत की तरफ से दिए गए उस तथ्य की जानकारी न होने की बात कही, जिसमें भारत ने कहा है कि अमेरिका और यूरोपीय संघ खुद रूस के साथ व्यापार जारी रखे हुए हैं। टैरिफ को लेकर भारत अमेरिका तनाव पर भारतीय मूल की पूर्व अमेरिकी राजदूत निक्की हेली ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अहम सलाह देते हुए कहा कि इससे दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही मित्रता में खटास आने का जोखिम है उन्होंने ट्रंप पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए एक्स पोस्ट में लिखा- भारत को रूस से तेल नहीं खरीदना चाहिए लेकिन रूस व ईरान के सबसे बड़े तेल खरीदार चीन को 90 दिनों की टैरिफ छूट मिल गई।भारत जैसे मजबूत सहयोगी से रिश्ते बिगाड़ कर चीन को छूट न दें।

इजराइल की गाजा में पूर्ण सैन्य नियंत्रण की योजना पर विचार, सैन्य और जनमत से टकराव

तेल अवीव। इजराइल सरकार गाजा पट्टी के उस 25 प्रतिशत क्षेत्र में भी सेना तैनात करने पर विचार कर रही है, जो अभी उसके नियंत्रण में नहीं है। हालांकि इस संभावित कदम को लेकर सैन्य नेतृत्व और देश की अधिकांश जनता में चिंता जताई जा रही है कि इससे हमास के कब्जे में बचे बंधकों की रिहाई की संभावनाएं कमजोर हो सकती हैं। एक वरिष्ठ इजराइली अधिकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस निर्णय को अंतिम रूप देने से पहले अपनी सुरक्षा कैबिनेट की बैठक इसी सप्ताह बुला सकते हैं। नेतन्याहू ने तीन घंटे लंबी सुरक्षा बैठक की, जिसमें आईडीएफ (इजराइल डिफेंस फोर्सेस) के चीफ ऑफ स्टाफ एयाल जामिर ने सैन्य विकल्पों की प्रस्तुति दी। आईडीएफ ने साफ किया है कि सुरक्षा कैबिनेट द्वारा लिए गए किसी भी निर्णय को लागू करने के लिए वह तैयार है। गाजा में जारी लगभग दो वर्ष लंबे युद्ध को लेकर इजराइल पर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दबाव लगातार बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि खाद्य आपूर्ति पर इजराइली प्रतिबंध और युद्ध से हुई तबाही के कारण गज़ा में भुखमरी का खतरा बढ़ रहा है। जुलाई के अंत में इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र और एनजीओ के माध्यम से मानवीय सहायता के वितरण को आसान बनाने का वादा किया था। सरकार ने खाद्य और स्वच्छता सामग्री की वाणिज्यिक पहुंच में कुछ और ढील देने की घोषणा की, लेकिन यह कड़ी सुरक्षा जांच के अधीन रहेगी।

मोल्डोवा में चुनावी धोखाधड़ी पर रूस समर्थक क्षेत्रीय नेता को 7 साल की सजा

किशिनाव। मोल्डोवा की एक अदालत ने दक्षिणी क्षेत्र गागाउजिया की नेता और रूस समर्थक राजनेता येवगेनिया गुटुल को चुनावी धोखाधड़ी के मामले में 7 साल की सजा सुनाई है। यह फैसला ऐसे वक्त में आया है जब देश में आगामी 28 सितंबर को महत्वपूर्ण संसदीय चुनाव होने जा रहे हैं। गुटुल पर आरोप था कि उन्होंने 2019 से 2022 के बीच रूस से अवैध फंडिंग के जरिए मोल्डोवा में एक राजनीतिक दल को आर्थिक सहायता पहुंचाई। यह पार्टी ईलान शोर द्वारा स्थापित की गई थी, जो स्वयं मोल्डोवा में धोखाधड़ी के दोषी करार दिए जा चुके हैं और फिलहाल रूस में निर्वासित जीवन जी रहे हैं। गुटुल, जो शोर की अब प्रतिबंधित पार्टी की पूर्व सचिव भी रही हैं, 2023 में गागाउजिया की गवर्नर चुनी गईं। उस चुनाव पर भी वोट खरीद के आरोप लगे थे। यूरोपीय संघ ने उन्हें मोल्डोवा में ÷ाजनीतिक अस्थिरता और क्षेत्रीय अलगाववाद को बढ़ावा देने के आरोप में प्रतिबंधित कर रखा है। गुटुल ने अदालत के इस फैसले को राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताते हुए अपील करने की घोषणा की है।

बांग्लादेश में यूनुस सरकार की कार्रवाई तेज, अवामी लीग के 1,593 नेता-कार्यकर्ता गिरफ्तार

एजेंसी

ढाका। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार द्वारा अवामी लीग के खिलाफ जारी सख्त कार्रवाई के तहत बांग्लादेश पुलिस ने अब तक देशभर से 1,593 अवामी लीग नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में दी गई। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) ने भी राजधानी के विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर 11 अवामी लीग कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। डीएमपी के डिप्टी कमिश्नर मुहम्मद तालेबुर रहमान ने इसकी पुष्टि की है। गिरफ्तार किए गए लोगों में अवामी लीग समर्थक और प्रसिद्ध ब्लॉगर कमाल पासा चौधरी भी शामिल हैं। बांग्लादेश के प्रमुख बांग्ला अखबार ने इस बात की जानकारी दी है। कमाल पासा चौधरी की गिरफ्तारी की आलोचना करते हुए, अवामी लीग के नेता और पूर्व राज्य सूचना एवं प्रसारण मंत्री मोहम्मद आराफात

ने इसे अन्यायपूर्ण करार दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा, मुक्ति संग्राम समर्थक कमाल पासा चौधरी को अन्यायपूर्ण रूप से गिरफ्तार किया गया है। यह यूनुस के तानाशाही शासन में प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्ष आवाजों को दबाने की एक और कोशिश है। आराफात के अनुसार, कमाल पासा चौधरी को ढाका के ललमाटिया इलाके में एक कार्यालय से डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) ने गिरफ्तार किया और उन पर कोई स्पष्ट आरोप नहीं लगाया गया।

अवामी लीग की मीडिया सेल का कहना है कि देश में फर्जी मामलों, भीड़ हिंसा और राजनीतिक बदले की भावना के मामलों में तेजी से इज़ाफा हो रहा है। पार्टी ने दावा किया कि न्यायिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और अदालतें अब न्याय का मंच नहीं, बल्कि राजनीतिक नाटक का मंच बन चुकी हैं। पार्टी का यह भी आरोप है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना, उनके समर्थकों और कार्यकाल के दौरान कार्यरत अधिकारियों के खिलाफ झूठे और मनगढ़ंत आरोपों पर मुकदमे दर्ज किए गए हैं। इस बीच, अंतरिम सरकार पर कट्टरपंथी और उग्रपंथी इस्लामी संगठनों को शरण देने का भी आरोप लगा है, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना तेज हो गई है।

बीएलए ने बम विस्फोट की जिम्मेदारी ली, हमले में पाकिस्तान की सेना के मेजर समेत तीन सैन्यकर्मियों को मार गिराने का दावा

एजेंसी

इस्लामाबाद। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बलूचिस्तान के नुश्की जिले में हुए बम विस्फोट की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया कि उसके हमले पाकिस्तान की सेना के एक मेजर समेत तीन सैन्यकर्मी मारे गए और तीन अन्य घायल हो गए। बीएलए ने दावा किया कि उसकी खुफिया शाखा जिराब की पुख्ता सूचना पर मेजर के काफिले को निशाना बनाया गया।

द बलूचिस्तान पोस्ट ने बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच के हवाले से यह खबर प्रसारित की है। यह हमला रात करीब 8:00 बजे नुश्की जिले के गरगिना इलाके में एक सड़क किनारे लगे इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से एक बुलेटप्रूफ सैन्य वाहन को निशाना बनाकर किया गया। मृतकों की पहचान मेजर रिजवान, नायब सूबेदार अमीन और लांस नायक यूनिस के रूप में होने का दावा किया गया है। पाकिस्तान की सेना ने अभी

तक इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की है। बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच ने दावा किया कि लड़ाकों ने जिराब की सूचना के आधार पर मेजर रिजवान के काफिले को निशाना बनाया। इस हमले की पूरी जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी लेती है।

बाइडेन के नेतृत्व में रूस-अमेरिका संबंधों में अभूतपूर्व गिरावट आई थी : क्रेमलिन

एजेंसी

मास्को । मास्को ने बुधवार को कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप के बीच अब तक कोई बैठक न होने पर उसे कोई हैरानी नहीं है।, क्योंकि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल के दौरान रूस-अमेरिका संबंधों में अभूतपूर्व गिरावट आई थी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने इस बात पर जोर दिया कि रूस के आधुनिक इतिहास में पहली बार है जब नए अमेरिकी राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण के छह महीने से ज्यादा समय बाद भी अमेरिका-रूस शिखर सम्मेलन आयोजित नहीं हुआ है। पहले, रूस-अमेरिका शिखर सम्मेलन का इंतजार आमतौर पर एक से पांच महीने तक होता था। लेकिन इस बार, ट्रंप के राष्ट्रपति पद संभालने के छह महीने और 16 दिन बीत चुके हैं। हालांकि, रूसी सरकारी समाचार एजेंसी टीएएसएस की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति और पुतिन के बीच कोई व्यक्तिगत

मुलाकात नहीं हुई है। पेसकोव ने कहा, किसी अनोखी स्थिति के बारे में बात करना असंभव है। आखिरकार, पिछले (अमेरिकी) प्रशासन के तहत, हमारे द्विपक्षीय संबंधों में अभूतपूर्व गिरावट आई थी। उन्होंने कहा कि बाइडेन के नेतृत्व में, मास्को और वाशिंगटन के बीच अभूतपूर्व संख्या में परेशान करने वाली चीजें इकट्ठी हो गईं। अमेरिकी प्रतिबंधों की समयसीमा को लेकर बढ़ते तनाव के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ बुधवार को रूसी नेताओं के साथ बैठक करने के लिए मास्को में होंगे। विटकॉफ की यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब रूस और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ रहा है।ट्रंप ने यह भी पुष्टि की कि अगर यूक्रेन संकट के समाधान पर कोई समझौता नहीं हुआ, तो 9 अगस्त तक रूस पर प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

बीवाईसी ने बलूचिस्तान में संघीय सरकार के चेहल्लुम यात्रा मार्ग पर प्रतिबंध लगाने के फैसले की आलोचना की

एजेंसी

क्वेटा। बलूचिस्तान के नागरिक, राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक अधिकारों की वकालत करने वाले समूह बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) ने संघीय सरकार के हाल ही में बलूचिस्तान से होकर चेहल्लुम के लिए इराक जाने वाले शिया तीर्थयात्रियों के काफिले पर प्रतिबंध लगाने के फैसले की निंदा की है। समूह ने इस कदम को संवैधानिक और मौलिक अधिकारों का उल्लंघनऔर इसे तथाकथित सुरक्षा के नाम पर किया गया धार्मिक भेदभाव बताया है। बीवाईसी की यह प्रतिक्रिया पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ की टिप्पणी के बाद आई है। आसिफ ने इस्लामाबाद में कहा था कि सरकार ने तीर्थयात्रियों के काफिले को निशाना बनाकर आतंकवादी हमलों के खतरे के कारण क्वेटा से 800 किलोमीटर के भूमि मार्ग पर यात्रा प्रतिबंधित कर दी है। द बलूचिस्तान पोस्ट की खबर के अनुसार, बीवाईसी ने कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है।

तथाकथित सुरक्षा के नाम पर लगाया गया कोई भी प्रतिबंध अस्वीकार्य है। समूह ने आरोप लगाया कि राज्य ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने मूल कर्तव्य को पूरा करने के बजाय यह प्रतिबंध लगाया है। बीवाईसी ने कहा, राज्य की जिम्मेदारी धार्मिक अनुष्ठान करने वाले नागरिकों के लिए सुरक्षित मार्ग प्रदान करना है, न कि आस्था के आधार पर उन्हें बाधित करना। बीवाईसी ने बयान में कहा कि कि शिया तीर्थयात्रियों ने प्रतिबंध के विरोध में कराची से रिमदान सीमा तक लंबे मार्च की घोषणा की है। समूह ने इस मार्च को संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकार बताया और विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वालों के साथ अपना पूर्ण समर्थन और एकजुटता व्यक्त की।बीवाईसी ने कहा, हम मांग करते हैं कि शिया तीर्थयात्रियों के कारवां पर प्रतिबंध तुरंत हटाया जाए और बलूचिस्तान से ईरान और इराक जाने वालों को पूरी सुरक्षा प्रदान की जाए। बयान में अधिकारियों को चेतावनी दी गई है कि वे बल प्रयोग या दबाव के जरिए मार्च में बाधा डालने का प्रयास न करें। गौरतलब है कि पाकिस्तान के संघीय गृहमंत्री ने भी हाल ही में घोषणा की थी कि शिया तीर्थयात्रियों को बलूचिस्तान के रास्ते इराक जाने से रोका जाएगा।

टीटीपी का खैबर कबायली जिले की अशांत तिराह घाटी के आदिवासियों से समझौता

एजेंसी

इस्लामाबाद। प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने इस बात पर सहमति जताई कि वह सुरक्षा बलों के खिलाफ अपने सशस्त्र संघर्ष में नागरिकों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल नहीं करेगा। टीटीपी नेताओं ने यह भी वादा किया कि अब से खैबर कबायली जिले की अशांत तिराह घाटी में जकात और उशर के नाम पर किसी से जबरन वसूली नहीं की जाएगी। डान अखबार की खबर के अनुसार टीटीपी के लेटरहेड पर पश्तो भाषा में लिखे और उसकी सर्वोच्च परिषद (रहबारी शूरा) की मुहर लगे इस समझौते को बार कंबरखेल के एक बुजुर्ग ने स्थानीय आदिवासियों के सामने पढ़ा। यह समझौता आम आदिवासियों के खिलाफ शत्रुता समाप्त करने और शांति बहाल करने के लिए तिराह से वापसी की उनकी मांग के जवाब में किया गया है। खैबर के तिराह में बार

कंबरखेल जनजाति के जिरगा के दौरान यह समझौता हुआ।

इस दौरान प्रतिबंधित टीटीपी नेताओं ने सुरक्षा बलों के खिलाफ अपना सशस्त्र प्रतिरोध जारी रखने और उन लोगों को सजा देने की कसम खाई, जिन्होंने सुरक्षा बलों का समर्थन किया या उनके खिलाफ जासूसी करने के दोषी पाए गए। समझौते में कहा गया है कि हमारा एकमात्र उद्देश्य इस्लाम विरोधी ताकतों और उनके सहयोगियों के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष (जिहाद) है।हम स्थानीय लोगों के आंतरिक और निजी मामलों में अपनी भागीदारी को अनुचित मानते हैं और इसलिए हमने अपने स्वयंसेवकों को ऐसा करने से सख्त मना किया है। समझौते में स्पष्ट किया गया है कि टीटीपी सदस्य लोगों के घरों में शरण नहीं लेंगे या सुरक्षा बलों के खिलाफ बंकर के रूप में इसका इस्तेमाल नहीं करेंगे, लेकिन वे ऐसी किसी भी निजी इमारत में सुरक्षा बलों के रुकने का विरोध करेंगे। टीटीपी नेताओं ने यह भी सहमति व्यक्त की कि लड़ाके किसी का अपहरण या उत्पीड़न नहीं करेंगे। तिराह के बार कंबरखेल में बातचीत का पहला दौर 28 जुलाई को हुआ था। इस दौरान टीटीपी के स्थानीय कमांडरों ने अफगानिस्तान में अपने नेतृत्व को जिरगा की मांगों से अवगत कराने के लिए पांच अगस्त तक का समय मांगा था।

अमेरिकी न्याय विभाग को जेफरी एपस्टीन से जुड़ी फाइलें सौंपने के लिए समन

एजेंसी

वाशिंगटन। हाउस ओवरसाइट कमेटी अध्यक्ष जेम्स कॉमर ने अमेरिकी न्याय विभाग को समन जारी किया। विभाग से कहा गया है कि वह नाबालिग लड़कियों की तस्करी के आरोपित जेफरी एपस्टीन से जुड़ी पूरी फाइलें सौंप दे। कॉमर ने दूसरा समन पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और पूर्व विदेशमंत्री हिलेरी क्लिंटन की गवाही के लिए जारी किया गया है। कॉमर ने कहा कि वह चाहते हैं कि न्याय विभाग 19 अगस्त तक या उससे पहले पूरी फाइलें सौंप दे। एबीसी न्यूज के अनुसार, कॉमर ने यह जानकारी देते हुए कहा कि विभाग एपस्टीन और मैक्सवेल के मामलों से संबंधित अतिरिक्त जानकारी को सार्वजनिक करने का प्रयास कर रहा है। यह आवश्यक है कि कांग्रेस संघीय सरकार यौन तस्करी कानूनों के प्रवर्तन और विशेष रूप से एपस्टीन और मैक्सवेल की जांच और अभियोजन के संचालन की निगरानी करे। कॉमर ने न्याय विभाग की आला अधिकारी अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को भेजे समन में यह उल्लेख किया है। क्लिंटन दंपत्ति के अलावा, रिपब्लिकन नेतृत्व वाले पैनल ने जेम्स कॉमी, लोरेटा लिंच, एरिक होल्डर, मेरिक गारलैंड, रॉबर्ट म्यूलर, विलियम बार, जेफ सेशंस और अल्बर्टो गोंजालेस के बयान दर्ज कराने के लिए भी समन जारी किए है। कमेटी के रिपब्लिकन सदस्यों ने कहा कि वे इन लोगों से एपस्टीन संबंधी फाइलों के संबंध में जानकारी मांग रहे हैं। कुछ रिपब्लिकन वर्षों से एपस्टीन मामले से जुड़ी साजिशों और षड्यंत्रों को हवा दे रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार इस पर अपनी राय दे चुके हैं। कुछ ने सवाल उठाया है कि इन दोनों की कथित ग्राहक सूची में और कौन हो सकता है। न्याय विभाग और एफबीआई ने पिछले महीने एक संक्षिप्त बयान में कहा था कि समीक्षा में पाया गया कि ऐसी कोई सूची मौजूद नहीं है।

कैलिफोर्निया के जंगलों में भीषण आग, सैकड़ों इमारतों पर मंडरा रहा खतरा

एजेंसी

लॉस एंजिल्स । मध्य कैलिफोर्निया के जंगल में लगी आग ने अब तक 82,000 एकड़ (लगभग 332 वर्ग किलोमीटर) से ज्यादा इलाके को अपनी चपेट में लिया है। यह आग पिछले पांच दिनों से भयानक रूप ले चुकी है और सैकड़ों इमारतों को खतरा बना हुआ है। अमेरिकी वन सेवा और कैलिफोर्निया के वानिकी व अग्नि सुरक्षा विभाग के अनुसार, 'गिफोर्ड फायर' नाम की यह जंगल की आग शुक्रवार दोपहर उस समय भड़क उठी, जब कैलिफोर्निया हाईवे के पास चार अलग-अलग जगहों पर आग लग गई और उन्होंने मिलकर एक विकराल आग का रूप धारण कर लिया। यह आग अब सैन लुइस ओबिस्पो और सांता बारबरा काउंटी में सांता लूसिया रोड के पास फैल रही है एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि आग की

चपेट में आने से 870 से ज्यादा इमारतें खतरे में हैं। मंगलवार सुबह तक इस आग पर सिर्फ 7 प्रतिशत ही काबू पाया जा सका है। आग की वजह से सांता बारबरा और सैन लुइस ओबिस्पो के लोगों को अपने घर खाली करने का आदेश दिया गया है। अमेरिकी वन सेवा के अधिकारियों ने जानकारी देते हुए चेतावनी दी कि आग के अनियमित फैलाव के कारण लोगों को अपने इलाके की बदलती स्थिति पर ध्यान रखना चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में गर्मी और सूखा मौसम बुधवार से सप्ताह के अंत तक बना रह सकता है, इसलिए आग पर काबू पाने के लिए दमकलकर्मी उत्तर और दक्षिण दिशा में लगातार प्रयास करते रहेंगे। इंसीवेब (अमेरिकी एजेंसी की आपात स्थिति प्रबंधन प्रणाली) के अनुसार, आग बुझाने के लिए 1,900 से ज्यादा दमकलकर्मी तैनात किए गए हैं। इसके अलावा 40 हैंड क्रू, 115 फायर इंजन, 23 बुलडोज़र और 30 पानी के टैंकर भी लगाए गए हैं। इन्हें हवाई टैंकरों और हेलीकॉप्टरों की मदद भी मिल रही है। सांता बारबरा काउंटी अग्निशमन विभाग के प्रवक्ता कैप्टन स्कॉट सेफचुक ने बताया कि आग ऊंची और खड़ी ढलानों पर फैल रही है और इससे बहुत ज्यादा धुआं उठ रहा है। सेफचुक ने कहा, आग का ज्यादातर हिस्सा ऐसे दुर्गम इलाकों में है, जहां बुलडोज़र भी नहीं पहुंच सकते। उन्होंने बताया कि आग बुझाने के लिए अब विमानों की भी मदद ली जा रही है। राष्ट्रीय मौसम सेवा के लॉस एंजिल्स कार्यालय ने बताया कि यह धुआं दक्षिण-पश्चिम कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों को प्रभावित कर सकता है। जंगल की आग से उठने वाला धुआं स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है और इसके दक्षिण और पूर्व की ओर फैलने की आशंका है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने ट्रंप की टैरिफ धमकी पर भारत की प्रतिक्रिया पर टिप्पणी से किया इनकार

एजेंसी

न्यूयॉर्क । अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने भारत की उन प्रतिक्रियाओं पर टिप्पणी करने से मना कर दिया, जिनमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने पर टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। एक पत्रकार द्वारा विदेश मंत्री एस. जयशंकर की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा, ÷मैं किसी अन्य देश की इस टिप्पणी पर कोई राय नहीं दूंगी कि वे क्या करेंगे या क्या नहीं करेंगे। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, मैं तो मुश्किल से यहां भी ऐसा कर पाती हूं। उन्होंने थोड़ी हैरानी जताते हुए कहा, मैं तो मुश्किल से यहां भी ऐसा कर पाती हूं। लेकिन उन्होंने भारत द्वारा तेल खरीद की आलोचना करते हुए कहा कि ट्रंप ही ÷मार्गदर्शक हैं, और रूस जो कर रहा है और वे देश जो यूक्रेन के खिलाफ इस युद्ध में मदद कर रहे हैं, तो यह राष्ट्रपति ट्रंप पर निर्भर करेगा कि वे कैसे प्रतिक्रिया देते हैं। ट्रंप के बयान के बाद आयोजित नियमित ब्रीफिंग में ब्रूस ने पत्रकारों से बात करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी। ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की थी कि वह रूस से तेल खरीदने और उससे बने उत्पादों को फिर से बेचने पर भारत पर 24 घंटे के भीतर 25 प्रतिशत से अधिक का भारी शुल्क लगाएंगे।उन्होंने आरोप लगाया, वे रूसी तेल खरीद रहे हैं और रूसी युद्ध मशीन को ईंधन दे रहे हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोमवार को टैरिफ के खतरे की अप्रत्यक्ष आलोचना करते हुए कहा हम जटिल और अनिश्चित समय में जी रहे हैं। हमारी सामूहिक इच्छा एक निष्पक्ष और प्रतिनिधित्वपूर्ण वैश्विक व्यवस्था देखना है, न कि कुछ लोगों के प्रभुत्व वाली। हालांकि जयशंकर ने अपने बयान में ट्रंप का जिक्र नहीं किया। विदेश मंत्रालय ने कहा, किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की तरह, भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। उन्होंने भारत को अलग-थलग करने के अंतर्निहित दोहरे मानदंडों की भी आलोचना की और बताया कि यूरोपीय संघ का रूस के साथ व्यापार 67.5 अरब डॉलर का है, और वाशिंगटन यूरेनियम, पैलेडियम, उर्वरक और अन्य रसायन भी खरीद रहा है।

ट्रंप की चेतावनी- यूरोपीय संघ ने निवेश का वादा नहीं निभाया तो लगेगा 35 प्रतिशत टैरिफ

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर यूरोपीय संघ (ईयू) को कड़ी चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा है कि यदि यूरोपीय संघ अमेरिका के साथ हुए समझौते के तहत 600 अरब डॉलर का निवेश पूरा नहीं करता है, तो अमेरिका उसकी वस्तुओं पर 35 प्रतिशत टैरिफ (आयात शुल्क) लगाएगा। एक जनसभा में ट्रंप ने कहा, उन्होंने (ईयू) अपने टैरिफ घटाए। उन्होंने हमें 600 अरब डॉलर दिए, जिसके बदले मैंने उनके टैरिफ 30 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिए। कुछ देशों ने पूछा कि उन्हें कम टैरिफ क्यों मिल रहा है, तो मैंने कहा, क्योंकि उन्होंने मुझे 600 अरब डॉलर दिए।ट्रंप ने दावा किया कि यह रकम उपहार की तरह है, न कि कोई ऋण। यह पैसा हम किसी भी क्षेत्र में निवेश कर सकते हैं। ईयू ने वर्षों से हमारा शोषण किया है, अब समय है कि वे इसकी भरपाई करें। उन्होंने स्विट्ज़रलैंड की प्रधानमंत्री पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वह उनके तर्क सुनने को तैयार नहीं थीं। ट्रंप ने फार्मास्युटिकल (दवा) उद्योग को लेकर भी सख्त रुख अपनाया। उन्होंने कहा, वे फार्मा उत्पादों से भारी मुनाफा कमाते हैं, और उन्हें चीन और आयरलैंड जैसे देशों में बनाते हैं। मैं अगले एक-दो हफ्तों में इन पर अलग से टैरिफ की घोषणा करूंगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह टैरिफसामान्य 15 प्रतिशत टैरिफ से अलग होंगे और इन्हें वहविशेष श्रेणी के अंतर्गत रखते हैं।

ईरान ने हजारों अफगान शरणार्थियों को वापस भेजा, अफगानिस्तान रोजगार बाजार पर दबाव बढ़ा

एजेंसी

काबुल । ईरान ने लंबे समय से कृषि, निर्माण और कुशल व्यवसायों जैसे क्षेत्रों में कार्यरत हजारों अफगान शरणार्थियों को वापस भेज दिया है। बड़ी संख्या में अफगानों की अचानक वापसी से अफगानिस्तान की कमजोर अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव पड़ रहा है। रोजगार के अवसरों और आवश्यक सहायता सेवाओं की भारी कमी देखी जा रही है। ईरान के कृषि क्षेत्र में चार साल तक काम करने वाले अफगान प्रवासियों में से एक, अब्दुल रहीम ने कहा कि अगर उनके देश में रोजगार के अवसर उपलब्ध हों, तो वह अपने कौशल से अपने छह सदस्यों वाले परिवार का भरण-पोषण कर सकते हैं। अफगान मीडिया आउटलेट टोलो न्यूज ने रहीम के हवाले से कहा, हम अब अपने देश लौट आए हैं। हम ईरान में कृषि संबंधी कार्य करते थे। अगर यहां कृषि क्षेत्र में अवसर मिलता है, तो मुझे खुशी होगी।

एक अन्य अफगान प्रवासी ने कहा, अगर ईरान में हमने जो काम किया, वह हमारे देश में उपलब्ध होता, तो हम कभी ईरान नहीं जाते। ईरानी सरकार और वहां के लोगों ने हमारे साथ बुरा व्यवहार किया। हमने वहां घर किराए पर लिए, और वे हमें हमारी मजदूरी नहीं देते।÷ हाल ही में,

अफगान शरणार्थी मामलों के आयोग के प्रवक्ता अहमदुल्लाह वसीक ने अफगान प्रवासियों के साथ दुर्व्यवहार के लिए ईरानी सरकार की निंदा की और उनसे निर्वासन प्रक्रिया के लिए अफगान सरकार के साथ समन्वय करने का आग्रह किया।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संगठनों से शरणार्थी मामलों के आयोग के साथ समन्वय करके लौटने वालों के लिए मानवीय सहायता बढ़ाने का आह्वान किया। टोलो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले ईरान से निर्वासित लोगों में से एक, फातिमा, जो तीन साल से अपने परिवार के साथ ईरान में रह रही थी, ने ईरानी अधिकारियों द्वारा किए गए दुर्व्यवहारों का जिक्र किया था।

उन्होंने कहा, हमें शिविर से लाया गया था, और उन्होंने हमें कुछ भी न लाने के लिए कहा था। उन्होंने कहा कि वे हमारी मदद करेंगे। लेकिन रास्ते में, किसी ने हमें कुछ नहीं दिया; मेरे बच्चे भूखे रहे। यात्रा के दौरान उन्होंने हमें परेशान किया और हमारे पैसे व फोन छीन लिए।

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 की शुरुआत से 1 अगस्त तक, 21 लाख से ज्यादा अफगानों को ईरान और पाकिस्तान से निर्वासित करके उनके देश वापस भेजा गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 1 अप्रैल से 30 जुलाई तक, ईरान से 14 लाख और पाकिस्तान से 3,03,300 अफगान अफगानिस्तान लौटे हैं। 2025 तक ईरान और पाकिस्तान से 21 लाख से ज्यादा अफगान वापस आ चुके हैं। अफगानिस्तान की स्थिति बेहद कमजोर है। उसे इस वर्ष के लिए आवश्यक 478 मिलियन डॉलर का केवल 24 प्रतिशत ही मिल पाया है।

ईरान और पाकिस्तान से निर्वासित कई अफगान प्रवासियों ने आश्रय, बेरोजगारी और बुनियादी सेवाओं की कमी के कारण अपने देश में कठिन जीवन स्थितियों के बारे में चिंता जताई है।

राहुल अग्रवाल ने किया Jabsons कंपनी की वार्षिक डिस्ट्रीब्यूटर मीटिंग का आयोजन

दिव्य दिल्ली : द्वारका स्थित रेडिसन ब्लू होटल में Jabsons कंपनी द्वारा वार्षिक डिस्ट्रीब्यूटर मीटिंग का आयोजन किया गया। इस बैठक का नेतृत्व कंपनी के डायरेक्टर राहुल अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में सभी डिस्ट्रीब्यूटर्स ने भाग लिया।इस मीटिंग के दौरान कंपनी के विभिन्न प्रोडक्ट्स जैसे बिस्किट, चना, मूंगफली, सत्तू और अन्य हेल्दी स्नैक्स पर चर्चा की गई। कंपनी ने जानकारी दी कि खुंरड्डल्ल२ के सभी उत्पाद न केवल स्वादिष्ट हैं, बल्कि उन्हें हाईजीन और गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखते हुए तैयार किया जाता है। यही कारण है कि Jabsons आज भारत के टॉप फाइव ब्रांड्स में शुमार है।बैठक में डिस्ट्रीब्यूटर्स ने फीडबैक भी साझा किया और ग्राउंड लेवल पर आने वाली समस्याओं को रखा।कंपनी की ओर से डिस्ट्रीब्यूशन चैनल को और मजबूत बनाने, समय पर रीटेल दुकानों तक माल पहुंचाने, और व्यापार को और बेहतर ढंग से संचालित करने को लेकर भी चर्चा की गई। जिसके बाद डायरेक्टर राहुल अग्रवाल ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। साथ ही कुछ चुनिंदा डिस्ट्रीब्यूटर को उपहार दे कर सम्मानित किया गया। यह मीटिंग न केवल एक व्यावसायिक संवाद का मंच बनी, बल्कि खुंरड्डल्ल२ परिवार के सभी सदस्यों के लिए एक प्रेरणादायक अनुभव भी साबित हुई।

विश्व स्तनपान सप्ताह के उपलक्ष्य पर बाल विकास योजना अधिकारी के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

दिव्य दिल्ली : प्रेम स्वरूप शर्मा (नगरोटा सूरियां)

विश्व स्तनपान सप्ताह के उपलक्ष्य पर बाल विकास योजना अधिकारी नगरोटा सूरियां के द्वारा तथा परियोजना के अधीन समस्त वृत्तों व आंगनबाड़ी केंद्रों द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में बच्चों व माताओं को स्तनपान से होने वाले लाभों की जानकारी विस्तारपूर्वक दी गई। उन्हें बताया गया के मां का पहला दूध बच्चे के लिए टीके का काम करता है और उसे कई गंभीर रोगों से बचाता है, मां का दूध एक पूर्ण आहार होता है अतः पहले छः माह तक बच्चे को केवल मां का दूध ही दिया जाना चाहिए इसके अतिरिक्त कुछ भी खिलाने की आवश्यकता नहीं होती है। बच्चे को दूध पिलाने वाली माता को भी इसके कई लाभ होते है नवजात शिशु को जन्म उपरान्त तुरन्त स्तनपान जरुरी होता है । जन्म के पहले घंटे को गोल्डन ऑवर कहा जाता है, इस दौरान शिशु को स्तनपान कराने से कई फायदे होते हैं इससे शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। निमोनिया और डायरिया जैसे गंभीर रोगों से बचाव होता है। शिशु की हाइपोथेलेमस की बीमारियों से बचाव होता है। स्तनपान की सफलता दर बढ़ती है। माँ के स्तनों में दूध जल्दी बनने में मदद मिलती है। स्तनपान से शिशु को एंटीबॉडी मिलती है. जिससे संक्रमण का खतरा कम होता है। स्तनपान से अचानक शिशु मृत्यु सिंड्रोम (एसआईडीएस) का खतरा कम होता है।

भाई बहन के पवित्र रिश्ते के पर्व रक्षाबंधन को लेकर हमीरपुर में भी विशेष तैयारी की जा रही

दिव्य दिल्ली : हमीरपुर (सुमित राठौर)

भाई बहन के पवित्र रिश्ते के पर्व रक्षाबंधन को लेकर हमीरपुर में भी विशेष तैयारी की जा रही है। उपायुक्त कार्यालय के बाहर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा अपने हाथों से बनाए गए राखियो के अलावा अन्य उत्पादों के स्टाल लगाए गए हैं। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा विशेष कर चीड़ के पत्तों के द्वारा बनाई गई राखी के अलावा रेशमी धागा, नजर बट्टू वाली राखियां भी तैयार की गई है।स्वयं सहायता समूह के राखी मेले में खरीदारी करने पहुंची युवतियो ने भी महिलाओं के द्वारा बनाई गई रियो की सराहना की है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भी लेकर बनाई गई विशेष रियो के बारे में जानकारी दी और राखी मेले के लिए स्टॉल लगाने की जगह मिलने पर जिला प्रशासन का भी आभार व्यक्त किया है। राखी मेले स्टॉल लगाने वाली स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने बताया कि हाथ से बनाई हुई राखियो को लोग भी काफी पसंद कर रहे हैं और काफी लोग राखियां खरीदने पहुंच रहे हैं।शेर बलोनी ग्राम पंचायत के स्वयं सहायता समूह की प्रतिनिधि रीना जम्वाल ने बताया कि चीड़ के पत्तों की स्पेशल राखी तैयार की है जिसकी बेहद लोगों में भी डिमांड है। ग्राम पंचायत भद्रोल की स्वयं सहायता की सदस्य ने बताया कि भाइयों की कलाई को बांधने वाली भोग पत्र वाली राखी तैयार की है और विशेष तैयार की गई राखी को बढ़ने पर किसी की नजर भी नहीं लगती है।

7 सरकारी स्कूलों की सूरत लगभग 90 लाख रुपये की लागत से बदली जाएगी

दिव्य दिल्ली : कंवल (पठानकोट)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में एक नए युग की शुरूआत की है, शिक्षा क्रांति के तहत पंजाब भर के सरकारी स्कूलों की सूरत बदलने के लिए करोड़ों रुपये की परियोजनाएँ जनता को समर्पित की गई हैं, अब पंजाब सरकार विधानसभा क्षेत्र भोआ के 7 स्कूलों में लगभग 90 लाख रुपये खर्च करके स्कूलों की सूरत बदल रही है। यह जानकारी आज एक विशेष बातचीत के दौरान खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले तथा वन एवं वन्यजीव संरक्षण मंत्री, पंजाब श्री लाल चंद कटारूचक ने दी।पंजाब के कैबिनेट मंत्री श्री लाल चंद ने कहा कि सरकार पूरे पंजाब में दो संकल्पनाओं के साथ चल रही है, जिसमें लोगों को अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना शामिल है। जहां पंजाब सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आम आदमी क्लीनिक स्थापित किए हैं, जिनसे हजारों लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं, वहीं शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा क्रांति के तहत करोड़ों रुपये का विकास करके स्कूलों की नुहार बदली है। उन्होंने कहा कि अब पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह के मार्गदर्शन में भोआ विधानसभा क्षेत्र के 7 सरकारी स्कूलों की नुहार बदलने के लिए लगभग 90 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री पंजाब ने कहा कि लोगों की बुनियादी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पूरे पंजाब में बिना किसी पक्षपात के विकास कार्य किए जा रहे हैं। आम आदमी पार्टी सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़े बदलाव किए हैं। आज सरकारी स्कूलों में आधुनिक तकनीकों के साथ शिक्षा दी जाती है।

ब्रह्माकुमारी बहनों के द्वारा पम्मा को राखी बांधकर नशे के खिलाफ चल रही उनकी मुहिम में सहयोग देने का दृढ़ संकल्प लिया

दिव्य दिल्ली : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय राजौरी गार्डन सबजोन की मुख्य प्रशासिका आदरणीय राजयोगनी बी.के.शक्ति दीदी जी ने राजौरी गार्डन राजयोग भवन में नेशनल अकाली दल के अध्यक्ष व फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा को रक्षा - बंधन के पावन पर्व के अवसर पर राखी बाँधते हुए भरोसा दिलाया जिस प्रकार वह ऑनलाइन

समाज के उत्थान के कार्य का अभियान चला रहे हैं उसको ब्रह्माकुमारी संस्था का पूरा सहयोग मिलता रहेगा दीदी बी.के.शक्ति जी ने कहा ब्रह्मकुमारियों द्वारा समय-समय पर नशे के खिलाफ अभियान चलाया जाता है।

परमजीत सिंह पम्मा ने कहा ऑनलाइन गेम में भी ऐसा नशा है जिसमें बच्चे लिप्त होते जा रहे हैं और अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्हें मार्ग दर्शन की आवश्यकता है जो कि ब्रह्माकुमारी बहनों के द्वारा ही दिया जा सकता है । जिससे उन्हें ईश्वरीय ज्ञान के द्वारा राजयोग मेडिटेशन के द्वारा मानसिक रूप से सशक्त बनाया जा सके ।साथ ही ब्रह्माकुमारीज राजौरी गार्डन के वरिष्ठ भाई साहब बी.के.जे.एल. मेहता, बी .के.डॉ .ललिता मक्कड़ व बी.के.प्रेम मक्कड़ ने ईश्वरीय सौगात देकर परमजीत सिंह पम्मा जी को सम्मानित किया। ।

श्री मणिमहेश सेवा समिति चक्की-बुंगल ने मणिमहेश यात्रियों के लिए 17वें लंगर का किया शुभारंभ

दिव्य दिल्ली : कंवल (पठानकोट)

श्री मणिमहेश सेवा समिति चक्की-बुंगल पठानकोट की ओर से पठानकोट-चम्बा रोड पर स्थित बघार मोड़ पर स्थापित शिव मंदिर में वीरवार को मणिमहेश यात्रियों की सेवा के लिए 17वें लंगर की शुरूआत की गई। सेवा समिति के अध्यक्ष प्रदीप सिंह की अध्यक्षता में लंगर की शुरूआत भगवान शिव की पूजा व हवन करके की गई। इसमें समिति के दर्जनों पदाधिकारियों ने आहूतियां डाल कर अपनी हाजिरी भरी। समिति के अध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री मणिमहेश सेवा समिति की ओर से यात्रियों के लिए अटूट लंगर का आयोजन किया गया है। यह लंगर आज 7 अगस्त से शुरू होकर 2 सितंबर तक दिन-रात मणिमहेश यात्रियों की सेवा में लगा रहेगा। समिति के सीनियर पदाधिकारी ठाकुर मान सिंह,मास्टर किशन वर्मा ने बताया कि बताया कि बीते वर्षों की भांति इस वर्ष भी यात्रियों के पोष्टिक भोजन के अतिरिक्त ठहरने के विशेष तौर पर और बेहतर प्रबंध किया गया है। इस मौके पर समिति के पदाधिकारी बोवी पठानिया,सुरिन्द्र शर्मा,योध राज,हरिओम शर्मा, खेम शर्मा,सरपंच लाल सिंह,पूर्व सरपंच रणधीर सिंह,ध्यान सिंह, प्रीतम चन्द, रवि,लवली शर्मा,अवतार सिंह ,कर्नल आर एस जसरोटिया,लवलीन शर्मा,सुशील फौजी,यश ठाकुर,चमन मेहरा,रवि बब्बर ,ठाकुर अर्जुन सिंह,बिशम्बर सिंह,जिला परिषद मेम्बर प्रेम कुमार,दिनेश राणा,कुलदीप विक्की,जगतार बिंटा,सुरेन्द्र मेहरा,भूषण ठाकुर,किशोर मेहरा ,सुभाष ,सूरिंदर,बाबू राम ,ठाकुर हरी सिंह,प्रबोध शर्मा,स्वर्ण सिंह आदि मौजूद थे।

पंजाब रोडवेज बस व केंटर की आमने-सामने जोरदार टक्कर 11 यात्री गंभीर रूप से घायल

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट)

पठानकोट-डलहौजी हाइवे मार्ग पर स्थित चांद रेस्टोरेंट के निकट पंजाब रोडवेज बस व केंटर की आमने-सामने टक्कर होने से बस में सवार 11 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि आधा दर्जन से अधिक यात्रियों में मामूली चोटें आई है। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची एसएसएफ धार की टीम ने जहां घायलों को फर्स्टेड दी वहीं गंभीर रूप से घायलों को उपचार के लिए कम्युनिटी हेल्थ सेंटर बधानी में भीर्ती करवाया गया। घायलों की पहचान छात्रा दिशा व दिक्षा निवासी गांव भमलादा,छात्रा अक्षिता निवासी गांव भटवां,छात्रा आस्था गांव सुकरेत,छात्र शमशेर सिंह व मोहित खान तथा इनकी माता रेश्मा निवासी गांव भटवां,छात्र रोहित निवासी गांव भंगूड़ी,छात्रा दीक्षा निवासी गांव धार, बस कंडक्टर तजिन्द्र सिंह निवासी बटाला,केंटर चालक सुनील निवासी गांव शाहपुर हिमाचल प्रदेश के रूप में हुई है। घायल बस कंडक्टर ने हादसे का कारण बरसात के कारण बस अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे केंटर से टकराना बताया है। हादसे में उनके सर तथा टांग में चोटें आई है। इधर,एसएसएफ धार के एएसआई हरबंस लाल ने बताया कि पुलिस ने हादसे संबंधी जांच करके कार्यवाई शुरू कर दी है।

रामपुर बैली ब्रिज फिर हुआ बंद, प्रशासन ने वाहनों की आवाजाही पर लगाई रोक

दिव्य दिल्ली : ज्योति स्याल (ऊना)

जिला ऊना को संतोषगढ़ से जोड़ने वाले रामपुर-संतोषगढ़ मार्ग पर बने अस्थायी बैली ब्रिज को एक बार फिर से वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है। देर रात हुई भारी बारिश के कारण ब्रिज की संरचना को खतरा उत्पन्न हो गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बारिश के कारण पुल के पिलरों को सहारा देने वाली कंक्रीट स्ट्रक्चर के नीचे की मिट्टी खिसक गई है, जिससे किसी भी समय पिलर धंसने की संभावना बनी हुई है। बड़ी दुर्घटना को टालने के लिए प्रशासन ने फौरन यातायात पर रोक लगाते हुए पुल को पूरी तरह सील कर दिया है।गौरतलब है कि पिछली बरसात में इसी पुल के तीन पिलर बैठ गए थे, जिसके बाद कुछ हिस्से पर बैली ब्रिज बनाकर अस्थायी रूप से यातायात बहाल किया गया था। लेकिन अब यह बैली ब्रिज भी बारिश की भेंट चढ़ चुका है। प्रशासन द्वारा एडवाइजरी जारी कर लोगों से अपील की गई है कि रामपुर ब्रिज के माध्यम से ऊना या संतोषगढ़ की ओर यात्रा करने वाले लोग वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें।

सत्र न्यायाधीश ने जेल का दौरा किया, कैदियों की समस्याएँ सुनीं

दिव्य दिल्ली: पठानकोट (करुनीत रंधावा)

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पठानकोट के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जतिंदर पाल सिंह खुरमी ने उप-कारागार पठानकोट का दौरा किया और कैदियों की समस्याएँ सुनीं। इस अवसर पर सत्र न्यायाधीश ने कैदियों की बैरकों का निरीक्षण किया। जिन कैदियों के पास वकील नहीं थे, उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निःशुल्क वकील उपलब्ध कराए गए। जिला एवं सत्र न्यायाधीश जतिंदर पाल सिंह खुरमी ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार, प्रत्येक कैदी और बंदी को निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त करने का अधिकार है, जिसके मद्देनजर उन्होंने आज उप-कारागार पठानकोट का दौरा किया, ताकि प्रत्येक कैदी और बंदी न्याय से वंचित न रह सके। इस अवसर पर मुख्य न्यायाधीश रूपिंदर सिंह, जेल अधीक्षक हिमांशु गोयल, मुख्य बचाव पक्ष के वकील प्रभदीप सिंह संधू आदि शामिल थे।

नूरपुर महाविद्यालय के हिंदी विभाग के विद्यार्थियों ने लगाया एक पौधा मां के नाम।

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर राजकीय आर्य महाविद्यालय नूरपुर में सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम मे आज एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत महाविद्यालय के हिंदी विभाग के विद्यार्थियों ने महाविद्यालय प्रांगण में पौधारोपण किया।इस कार्यक्रम का आरंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ॰ अनिल कुमार ठाकुर के कुशल मार्गदर्शन में हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों को पौधों के औषधि गुना के बारे में बताते हुए बताते हुए कहा कि यदि समाज का हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए एक पौधे का रोपण करता है तो यह धरती कितनी हरी भरी और खुशहाल हो जाएगी।उन्होंने विद्यार्थियों कोइस अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए इस शुभ कार्य के लिए बधाई भी दी।इस अवसर पर महाविद्यालय के अन्य शिक्षक गण भी उपस्थित उपस्थित रहे ।

नूरपुर में आबकारी विभाग को बड़ी सफलता, 69 बल्क लीटर अवैध शराब बरामद

दिव्य दिल्ली : नूरपुर (विनय महाजन)

राज्य कर एवं आबकारी विभाग, हिमाचल प्रदेश की नूरपुर टीम ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। चेकिंग के दौरान टीम ने कुल 69 बल्क लीटर देसी और अंग्रेजी शराब बरामद की है, जो नूरपुर राजस्व जिले के स्थानीय रेस्टोरेंट्स और दुकानों से पकड़ी गई। यह कार्रवाई उपायुक्त राज्य कर एवं आबकारी प्रीत पाल सिंह के निर्देशन में गठित विशेष टीम द्वारा की गई, जिसमें मुकेश कुमार (सहायक आयुक्त), राकेश ठाकुर (राज्य कर एवं आबकारी अधिकारी ज्वाली वृत्त), देवराज (आबकारी अधिकारी), पवन कुमार ठाकुर (सहायक अधिकारी, नूरपुर वृत्त) और हवलदार विशाल ठाकुर, गुरप्रीत सिंह, संजय कुमार, अशोक कुमार और सुरिंदर कुमार शामिल थे। टीम ने लगातार तीन दिनों की जांच में यह अवैध शराब पकड़ी। अधिकारियों ने बताया कि यह विशेष चेकिंग अभियान आगे भी जारी रहेगा और अवैध शराब के भंडारण व बिक्री करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सरकार द्वारा आबकारी विभाग में पुलिस बल की तैनाती की घोषणा के अनुसार, अब विभाग को तीन पुलिस जवानों की सहायता भी मिल रही है। इनकी तैनाती से विभागीय अधिकारियों को सुरक्षा और सहयोग में मजबूती मिलेगी। उपायुक्त प्रीत पाल सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि सरकार के निदेर्शानुसार जिला नूरपुर में अवैध शराब की बिक्री को पूरी तरह से रोका जाएगा।

स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलंबन अभियान को स्वदेशी जागरण मंच ने दिया जनांदोलन का स्वरूप

दिव्य दिल्ली : ऊना (ज्योति स्याल)

स्वदेशी जागरण मंच ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए स्वदेशी अपनाने के आह्वान का स्वागत करते हुए इसे राष्ट्र सेवा का प्रभावी माध्यम बताया है। मंच के जिला पूर्णकालिक कार्यकर्ता सत्यदेव शर्मा ने पत्रकार वार्ता में जानकारी दी कि 10 अगस्त को जिला भर में मंच के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर स्वदेशी समर्थन में प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि 1991 से मंच स्वदेशी को जनआंदोलन का रूप देने के लिए निरंतर कार्यरत है और ह्यस्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलंबन अभियानह्ल इसी दिशा में एक सशक्त प्रयास है। उन्होंने बताया कि वैश्विक परिस्थितियों में जब बाजार, मूल्य श्रृंखलाएं और भुगतान प्रणालियां राजनीतिक हथियार बन चुकी हैं, स्वदेशी ही भारत के दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों की रक्षा का मार्ग है। मंच ने चिंता जताई कि चीन, तुर्की जैसे शत्रु प्रवृत्ति वाले देशों के उत्पादों और सेवाओं का भारत में बढ़ता उपयोग न केवल हमारी अर्थव्यवस्था बल्कि सुरक्षा के लिए भी घातक है। मंच का मानना है कि भारतीयों को विदेशी खचीर्ली शादियों से बचना चाहिए, विदेशी विश्वविद्यालयों की होड़ छोड़नी चाहिए और स्थानीय कारीगरों तथा उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए। इससे देश की विदेशी मुद्रा की रक्षा होगी और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

हंसिका मोटवानी

सोहेल की शादी पर बनी थी वेब सीरीज, इस ओटीटी पर है मौजूद

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा में कई फिल्में कर चुकीं एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी इन दिनों चर्चा में हैं. हंसिका मोटवानी के तलाक की खबरें आ रही हैं और हाल ही में हंसिका ने अपने सोशल मीडिया से शादी की तस्वीरें हटाई हैं. उनकी इस एक्टिविटी से फैंस कयास लगा रहे हैं कि हंसिका और उनके पति सोहेल कथूरिया के बीच चीजें सही नहीं हैं और तभी उनके. हालांकि, कपल ने अभी तक कोई जानकारी नहीं दी है.2022 में हंसिका ने सोहेल से शानदार तरीके से शादी की थी, जिसकी एक वेब सीरीज भी बनी थी. हंसिका और सोहेल की शादी पर बनी वेब सीरीज का नाम 'हंसिका लव शादी ड्रामा' था. इस वेब सीरीज में हंसिका-सोहेल की शादी की सभी रस्में देखने को मिलीं और इस सीरीज को फैंस ने खूब प्यार दिया. हंसिका की शादी कब हुई, वो वेब सीरीज किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं ? आइए जानते हैं.

'हंसिका लव शादी ड्रामा' किस ओटीटी पर देख सकते हैं ?

7 फरवरी को 'हंसिका लव शादी ड्रामा' का ट्रेलर रिलीज हुआ था, जिसका पोस्ट 6 फरवरी को जियोहॉटस्टार ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया था. इसके कैप्शन में लिखा गया, 'समय आ रहा है आने का, हंसिका लव शादी ड्रामा का ट्रेलर कल आएगा.' ये 10 फरवरी से हॉटस्टार ओटीटी पर स्ट्रीम करने लगा था, जिसे आज भी आप सबस्क्रिप्शन के साथ देखा देख सकते हैं. इस पोस्ट में हंसिका दुल्हन के रूप में नजर आई थीं.

'हंसिका लव शादी ड्रामा' वेब सीरीज का पहला एपिसोड 10 फरवरी को स्ट्रीम हुआ था और इस सीरीज में 6 एपिसोड्स थे. इस सीरीज को हिंदी, इंग्लिश के अलावा तेलुगू और तमिल में भी डब किया गया था. इसके पीछे की वजह ये थी कि हंसिका मोटवानी हिंदी एक्ट्रेस तो हैं ही लेकिन उन्होंने कई तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और कुछ पंजाबी फिल्मों में भी काम किया है.

हंसिका मोटवानी ले रही हैं तलाक ?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हंसिका अब अपने पति सोहेल के साथ नहीं रह रही हैं, वो अपनी मां के घर वापस आ गई हैं. वहीं खबरें ये भी हैं कि हंसिका ने अपने इंस्टाग्राम से शादी की तस्वीरें भी हटा दी हैं, जिसने भी हंसिका की शादी पर बनी वेब सीरीज देखी होगी उसने 6 एपिसोड्स में देखा होगा कि उनके बीच कैसे प्यार शुरू हुआ और शादी तक पहुंचा.सीरीज में दिखाया गया कि सोहेल ने हंसिका को पेरिस के एफिल टॉवर के नीचे प्रपोज किया था और उनकी शादी भी शाही ढंग से हुई थी.

जब ससुर अमिताभ बच्चन की बहन बनी थीं ऐश्वर्या राय, महाफ्लॉप हुई थी फिल्म

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन और उनकी बहू एवं सुपरस्टार एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन ने अपने लंबे और सफल करियर में खास और बड़ा नाम कमाया है. अमिताभ बच्चन जहां बॉलीवुड इतिहास के सबसे बेहतरीन अभिनेता माने जाते हैं, तो वहीं ऐश्वर्या की गिनती बॉलीवुड की सबसे बेहतरीन और सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस में से एक के रूप में होती है. बड़े पर्दे पर ससुर-बहू की जोड़ी साथ में भी नजर आ चुकी हैं.

बड़े पर्दे पर अमिताभ बच्चन और ऐश्वर्या राय ने उस समय एक फिल्म में साथ काम किया था जब ऐश्वर्या की बिग बी के बेटे और अभिनेता अभिषेक बच्चन से शादी नहीं हुई थी. अभिषेक से शादी करने से सालों पहले ऐश्वर्या ने बिग बी के साथ में एक फिल्म की थी. इसमें ऐश्वर्या ने बिग बी की बहन का किरदार निभाया था. लेकिन, ये फिल्म महाबकवास साबित हुई थी.

जब पर्दे पर अमिताभ की बहन बनीं ऐश्वर्या

अमिताभ बच्चन और ऐश्वर्या राय की वो फिल्म है 'हम किसी से कम नहीं'. इसमें अमिताभ के किरदार का नाम डॉक्टर रस्तोगी था. जबकि ऐश्वर्या ने कोमल रस्तोगी नाम की भूमिका निभाई थी. बिग बी और ऐश्वर्या भाई-बहन के किरदार में थे. दोनों के अलावा इस पिक्चर में अजय देवगन और संजय दत्त जैसे सुपरस्टार्स भी नजर आए थे. इसके बावजूद फिल्म टिकट खिड़की पर कोई कमाल नहीं कर पाई थी.

टिकट खिड़की पर पिट गई थी फिल्म

हम किसी से कम नहीं का डायरेक्शन मशहूर डायरेक्टर डेविड धवन ने किया था. इस कॉमेडी ड्रामा फिल्म ने सिनेमाघरों में 31 मई 2002 को दस्तक दी थी. इसमें संजय दत्त ने गैंगस्टर मुन्ना भाई नाम का किरदार निभाया था जो ऐश्वर्या के किरदार कोमल से शादी करना चाहता है. हालांकि बिग का किरदार डॉक्टर रस्तोगी इसमें बड़ी अड़चन बनता है.

दर्शकों को ये कहानी कुछ खास पसंद नहीं आई थी. इसलिए फिल्म टिकट खिड़की पर पिट गई थी. 23 साल पुरानी इस फिल्म पर मेकर्स ने 18 करोड़ रुपये खर्च किए थे. जबकि इसकी कमाई भी बजट के बराबर ही 18.83 करोड़ रुपये ही हो पाई थी. इस हिसाब से फिल्म भारतीय बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हो गई थी.

Salman Khan से 5 गुना ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेस, डेब्यू से ही मचा दिया था बवाल

हिंदी सिनेमा में हमेशा से ही ये देखने को मिला है कि एक्टर्स के मुकाबले एक्ट्रेसेस की फीस हमेशा से ही कम रही है. हालांकि जिस अभिनेत्री के बारे में हम आपको बता रहे हैं, उसने तो कभी सलमान खान जैसे सुपरस्टार्स से भी ज्यादा फीस ली थी. इस एक्ट्रेस की डेब्यू फिल्म की फीस ही सलमान से पांच गुना ज्यादा थी. उनकी पहली ही फिल्म हिट साबित हुई थी और वो डेब्यू के साथ ही रातों-रात फिल्म इंडस्ट्री में छा गई थीं.हम आपसे बात कर रहे हैं एक्ट्रेस भाग्यश्री की. भाग्यश्री ने अपने बॉलीवुड करियर का आगाज सलमान खान के साथ ही किया था और वो फिल्म सलमान की भी बतौर लीड एक्टर पहली पिक्चर थी. दोनों कलाकार अपनी पहली ही फिल्म से स्टार बन गए थे. हालांकि दोनों को डेब्यू फिल्म के लिए जो फीस मिली थी उसमें बहुत फासला था.

सलमान से 5 गुना ज्यादा थी भाग्यश्री की फीस

सलमान खान ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 1988 की पिक्चर 'बीवी हो तो ऐसी' से की थी. जबकि लीड एक्टर के रूप में उनका डेब्यू 1989 की फिल्म 'मैंने प्यार किया' से हुआ था. इसमें उनके अपोजिट भाग्यश्री ने काम किया था. सूरज बड़जात्या के डायरेक्शन में बनी फिल्म में एक्ट्रेस परवीन दस्तूर ने भी काम किया था. उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि मेकर्स ने भाग्यश्री को फिल्म के लिए डेढ़ लाख रुपये फीस दी थी.

सलमान की फीस थी सिर्फ 31 हजार

परवीन दस्तूर ने फिल्म में अपनी और सलमान खाना की फीस का खुलासा भी किया था. परवीन को मेकर्स ने 25 हजार रुए दिए थे. वहीं सलमान खान को 31 हजार रुपये मिले थे. लेकिन फिल्म की अपार सफलता के बाद सलमान खान को बड़ा तोहफा मिला था. सलमान ने भी एक इंटरव्यू में बताया था कि उनकी डेब्यू फिल्म के लिए फीस 31 हजार थी, लेकिन बाद में उसे बढ़ाकर 75 हजार रुपये कर दिया था.

साल की सबसे कमाऊ फिल्म थी 'मैंने प्यार किया'

मैंने प्यार किया की कहानी दर्शकों को काफी पसंद आई थी और इसके गानों ने भी धूम मचाई थी. डेब्यू फिल्म से ही सलमान और भाग्यश्री ने फैंस के दिल जीत लिए थे. 4 करोड़ में बनी पिक्चर ने टोटल 14 करोड़ कमाए थे और ये साल 1989 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म साबित हुई थी.

गोल्डन टेंपल में नतमस्तक हुईं

अहाना कुमरा

सिर पर दुपट्टा और येलो सूट में अपनी सादगी से जीता फैंस का दिल

फिल्म और टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस सोशल मीडिया की दुनिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और खुद से जुड़े अपडेट फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। वहीं, हाल ही में अहाना कुमरा अमृतसर के प्रसिद्ध श्री हरमंदिर साहिब (स्वर्ण मंदिर) के दर्शन करने पहुंचीं, जहां से उन्होंने अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। फैंस एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर खूब प्यार लुटा रहे हैं।

अहाना ने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- नीला आसमान, सुनहरी रोशनी, और आज सुबह स्वर्ण मंदिर में अत्यंत शांतिपूर्ण दर्शन। एक वार्षिक अनुष्ठान जो मुझे हमेशा शांत रखता है। सदैव आभारी, सदैव धन्य।

शेयर की गई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि अहाना येलो सूट में बेहद ही खूबसूरत लग रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने सिर पर मैचिंग दुपट्टा ओढ़ा हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने अपने लुक को बेहद सिंपल रखा है।एक्ट्रेस गुरुद्वारे के दर्शन करने के बाद काफी खुश और शांतिपूर्ण नजर आ रही हैं।वह दोनों हाथ जोड़ गुरुद्वारे के सामने पोज देती नजर आ रही हैं और अपनी सादगी से फैंस का दिल जीत रही हैं। फैंस कमेंट कर अहाना की इन तस्वीरों की खूब तारीफ कर रहे हैं।

वर्कफ्रंट पर अहाना

काम की बात करें तो अहाना कुमरा ने बीते वर्षों में लिपस्टिक अंडर माय बुरका, खुदा हाफिज, और रंगबाज़ जैसे प्रोजेक्ट्स से खूब नाम कमाया है। इसके अलावा वह वेब सीरीज़ और फिल्मों में अपने सशक्त किरदारों के लिए भी पहचानी जाती हैं।

दिव्य दिल्ली देवभूमि

दिल्ली, शुक्रवार
08.08.2025
infodivyadelhi@gmail.com

अमेरिका द्वारा टैरिफ बढ़ाने की धमकी पर व्यापारियों में नाराजगी, सीटीआई ने की केंद्र से हस्तक्षेप की मांग

दिव्य दिल्ली : नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के ऐलान और अब 27 अगस्त से उसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की चेतावनी ने देश के व्यापारी वर्ग में गहरी नाराजगी और भ्रम की स्थिति पैदा कर दी है। इस मुद्दे को लेकर दिल्ली के व्यापारियों और उद्यमियों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफ ट्रेंड एंड इंडस्ट्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर इस पर स्पष्टीकरण और रणनीति की मांग की है। CTI के चेयरमैन बृजेश गोयल ने बताया कि टैरिफ को लेकर ट्रंप की तरफ से आए दिन धमकियां मिल रही हैं। व्यापारी इस बात को लेकर चिंतित हैं कि जो ऑर्डर पहले ही बुक हो चुके हैं या जो माल रास्ते में है, उस पर क्या नियम लागू होंगे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में भारत ने अमेरिका को 1.7 लाख करोड़ रुपये के इंजीनियरिंग गुड्स निर्यात किए थे, जिसमें स्टील प्रॉडक्ट्स, मशीनरी और ऑटो पार्ट्स शामिल हैं। इन पर पहले 10 प्रतिशत टैरिफ लगता था, जो बढ़कर 25 प्रतिशत हो गया है और अब 50 प्रतिशत करने की योजना है। इससे इन वस्तुओं की अमेरिका में कीमत और प्रतिस्पर्धा पर गहरा असर पड़ेगा, जिससे 10-15 प्रतिशत तक निर्यात में गिरावट आ सकती है। इसी तरह, जेम्स एंड जूलरी, जिसमें भारत ने पिछले साल 90 हजार करोड़ रुपये का निर्यात किया था, और टेक्सटाइल सेक्टर, पर भी टैरिफ बढ़ाया गया है। इलेक्ट्रॉनिक गुड्स, जिसमें भारत ने अमेरिका को 1.25 लाख करोड़ रुपये का निर्यात किया था, उन पर पहले 0.41 प्रतिशत टैरिफ था, जो अब बढ़कर 25 प्रतिशत हो जाएगा। इसी तरह फार्मा सेक्टर, जिसमें भारत ने 92 हजार करोड़ रुपये की दवाएं निर्यात की थीं, पर भी टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी गई है। यह स्थिति वियतनाम जैसे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए अवसर बन सकती है, जिससे भारतीय कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। बृजेश गोयल ने चेताया कि अगर यही हालात रहे तो लाखों नौकरियों पर खतरा मंडरा सकता है, क्योंकि कई बड़ी कंपनियां अमेरिका को ही मुख्य निर्यातक मानकर काम कर रही हैं।भारत को अपनानी चाहिए जवाबी रणनीति गोयल ने कहा कि भारत को अमेरिका की धमकियों से घबराने की जरूरत नहीं है। उळकने प्रधानमंत्री से आग्रह किया है कि भारत को जर्मनी, ब्रिटेन, सिंगापुर और मलेशिया जैसे देशों में अपने निर्यात का विस्तार करना चाहिए। साथ ही, अमेरिका से आयातित मिनरल्स, महंगे रत्न, मेटल्स, हवाई जहाज के उपकरण, ऑप्टिकल उपकरण, प्लास्टिक, केमिकल्स, नट्स, ड्राईफ्रूट्स, आयरन और स्टील जैसे उत्पादों पर जवाबी टैरिफ लगाने पर विचार किया जाए।

शहर और अपने क्षेत्र को स्वच्छ रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी : डॉ. शांडिल

दिव्य दिल्ली : सोलन

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. धनी राम शांडिल ने कहा कि शहर और अपने क्षेत्र को स्वच्छ रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नगर निगम सोलन के सफाई कर्मियों का स्वच्छता बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान रहता है। नगर निगम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने शूलिनी मेला-2025 के दौरान सफाई कर्मियों, श्रमिकों, लाइनमैन, कीमेन और अन्य कर्मचारियों द्वारा दी गई बहुमूल्य सेवाओं के लिए उन्हें सम्मानित किया। इससे पूर्व, डॉ. शांडिल ने 18.50 लाख रुपये की लागत से नवीनीकृत नगर निगम के बहुउद्देश्यीय हॉल का विधिवत शुभारंभ भी किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता एक अच्छी आदत है, जो जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाती है।

न्यूज फ्लैश

हिमाचल सरकार पर साधू राम राणा का हमला झ सूखू सरकार को बताया तानाशाही व्यवस्था

दिव्य दिल्ली : प्रेम स्वरूप शर्मा (नगरोटा सूरियां)

पूर्व पंचायत समिति सदस्य एवं वर्तमान उपप्रधान पंचायत डोल भटहेड़ साधू राम राणा ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि "व्यवस्था परिवर्तन" के नाम पर बनी सूखू सरकार, अपने अढ़ाई साल के कार्यकाल में जनता की अपेक्षाओं पर पूरी तरह विफल रही है। राणा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सूखू की तानाशाही के कारण सरकार की व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है, और यह बात खुद सरकार के मंत्री दिल्ली में राहुल गांधी व मल्लिकार्जुन खड़गे के सामने बैठक में स्वीकारते नजर आए। उन्होंने कहा कि जब खुद मंत्री ही अपने विभागों का संचालन मुख्यमंत्री के रवैये से असहज होकर कर रहे हैं, तो आम कार्यकताओं का पार्टी में क्या स्थान रह गया है। राणा ने कहा कि कार्यकर्ता खुलकर कह रहे हैं कि सरकार में उनकी कोई सुनवाई नहीं होती। ऐसे में यह कल्पना भी करना मुश्किल है कि 2027 में कांग्रेस सरकार फिर से सत्ता में लौटेगी। उन्होंने यह भी कहा कि मंत्री और विधायक भले ही चुपचाप समय निकाल रहे हों, लेकिन जमीनी कार्यकर्ता अब खुलकर सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं।

सोलन में अत्याधुनिक खेल परिसर की मांग तेज, भाजपा नेता डॉ. राजेश ने मंत्री शांडिल को सौंपा ज्ञापन

दिव्य दिल्ली : सोलन

सोलन में एक बार फिर अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त खेल परिसर की मांग जोर पकड़ने लगी है। इस मांग को लेकर भाजपा नेता डॉ. राजेश कश्यप के नेतृत्व में खेल जगत से जुड़े लोगों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोलन से विधायक एवं राज्य के स्वास्थ्य मंत्री कर्नल डॉ. धनी राम शांडिल को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने सोलन में एक स्टेट-ऑफ-द-आर्ट खेल परिसर के लिए भूमि आवंटन की मांग की। डॉ. राजेश कश्यप ने बताया कि सोलन के प्रमुख खेल, सामाजिक और सामुदायिक संगठनों की एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें जिले में खेल अधोसंरचना की गंभीर कमी पर चिंतन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि सोलन, जो हिमाचल प्रदेश का एक महत्वपूर्ण जिला मुख्यालय है, आज भी किसी बड़े सार्वजनिक खेल मैदान या आधुनिक खेल सुविधा से वंचित है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि इस आधारभूत कमी के चलते जिले के युवाओं को खेलों में भाग लेने व अपनी प्रतिभा निखारने का मौका नहीं मिल रहा, जिससे वे निष्क्रियता, मानसिक तनाव और नशे जैसी सामाजिक बुराइयों की ओर बढ़ रहे हैं। यदि सोलन में बहुउद्देश्यीय खेल मैदान का निर्माण किया जाए, तो यह युवाओं को स्वास्थ्य, अनुशासन और सामूहिकता की दिशा में प्रेरित करेगा। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि मंत्री शांडिल इस दिशा में जल्द पहल करते हुए सोलन के खिलाड़ियों के हित में भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू करवाएं।

अमित आनंद द्वारा संकलित फिल्म डेला बेला बदलेगी कहानी दूरदर्शन के ओटीटी प्लेटफॉर्म "वेव्स" पर हुई रिलीज

दिव्य दिल्ली :दूरदर्शन के चर्चित ओटीटी प्लेटफॉर्म "वेव्स" पर दर्शको को आजकल सीरियल्स, वेब सीरीज के साथ-साथ अलग-अलग विषयो पर अच्छी अच्छी नई-नई फिल्मे देखने का भरपूर मौका मिल रहा है। इस कड़ी में अब 18 जुलाई को दूरदर्शन के ओटीटी प्लेटफॉर्म "वेव्स" पर एक नई मनोरंजन प्रधान दिलचस्प फिल्म "डैला बैला" रिलीज हुई है जिसकी कहानी दर्शको के दिल को छू रही है। फिल्म को नीलेश के जैन ने निर्देशित किया है और उन्होंने ही इस फिल्म के सॉन्ग और मुख्य संवाद लिखे है। इस फिल्म के एडिटर अमित आनंद है जो अब तक कई चर्चित फिल्मो के एडिटर रह चुके है। फिल्म "डेला बेला" भी उन्होंने बहुत ही शानदार तरीके से एडिट किया है। दूरदर्शन के ओटीटी प्लेटफॉर्म "वेव्स" पर रिलीज हुई नई फिल्म "डैला बैला" निःसन्देश ही बहुत पसंद आएगी। डेला बेला सिर्फ एक फि ल्म नहीं है, बल्कि यह भावनाओं, रिश्तों और अनपेक्षित मोड़ों से भरी एक दिल को छू लेने वाली खूबसूरत कहानी है, जो आपके मन को छू लेगी। इसमें बेहतरीन कलाकारों की टीम, दिलचस्प ड्रामा और नीलेश के. जैन की दमदार कहानी है।

संराहा में आयोजित हुआ 18वां रोजगार मेला, युवाओं के लिए खोले गए नए अवसर

दिव्य दिल्ली : सिरमौर

संराहा के कुश्ती मैदान में लघु उद्योग संघ, हिमालया फाउंडेशन बद्दी और यूनाइटेड वेटरन्स एसोसिएशन पच्छाद द्वारा संयुक्त रूप से 18वां रोजगार मेला आयोजित किया गया। मेले का शुभारंभ समाजसेवी विजय शर्मा ने किया।

इस अवसर पर हिमालया फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. रणेश राणा ने जानकारी दी कि उनकी संस्था का लक्ष्य है कि मिशन रोजगार हिमाचल के तहत प्रदेश की हर विधानसभा क्षेत्र में रोजगार मेलों का आयोजन किया जाए। इसी क्रम में पच्छाद विधानसभा क्षेत्र में यह मेला आयोजित किया गया। इस रोजगार मेले में लगभग एक दर्जन निजी कंपनियों के प्लेसमेंट सेल ने भाग लिया और करीब पांच दर्जन युवाओं का पंजीकरण किया गया, ताकि उन्हें भविष्य में उनकी योग्यता अनुसार रोजगार मिल सके। लघु उद्योग संघ के चेयरमैन राजीव कांसल ने बताया कि बद्दी, बरोटीवाला और नालागढ़ जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं और संघ का मुख्य उद्देश्य युवाओं को इन अवसरों की जानकारी देना है। मेले में उपस्थित कश्मीर सिंह ने युवाओं की करियर काउंसलिंग की और उन्हें रोजगार चयन में मार्गदर्शन प्रदान किया। डॉ. रणेश राणा ने कहा कि उनका उद्देश्य हिमाचली युवाओं और उद्योगों के बीच सेतु का कार्य करना है, ताकि ग्रामीण क्षेत्र का युवा भी निजी क्षेत्रों में जाकर अपने भविष्य को संवार सके।

'मैकगफिन' - रोहित अरोड़ा की फ्लैट अर्थ डिटेक्टिव थ्रिलर 8 अगस्त को सिनेमाघरों में

दिव्य दिल्ली : फिल्म निमार्ता रोहित अरोड़ा इस हफ्ते अपनी अब तक की सबसे बोल्ड फिल्म - "मैकगफिन" के साथ बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। यह एक ऐसी जासूसी थ्रिलर है जो हमारे समय के सबसे विवादास्पद षड्यंत्र सिद्धांतों में से एक की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह फिल्म 8 अगस्त को रोअर पिक्चर कंपनी के बैनर तले पूरे भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसका सह-निर्माण रोहित अरोड़ा और सारा दुर्गा ने किया है। कहानी कहने के अपने गहन और गहन

दृष्टिकोण के लिए जाने जाने वाले रोहित अरोड़ा न केवल अपनी फिल्मों का निर्देशन करते हैं - बल्कि उन्हें लिखते भी हैं, संपादित करते हैं, और अक्सर उनमें अभिनय भी करते हैं। इसलिए नहीं कि वह कैमरे के सामने आना चाहते हैं - दरअसल, उन्होंने इससे बचने की कोशिश की - बल्कि इसलिए कि उनका कहना है कि उनकी कहानियों को बनाने में लगने वाले वर्षों में उनके द्वारा मांगे गए भावनात्मक भार को कोई और नहीं उठा सकता। अरोड़ा बताते हैं, "ये किरदार बहुत कुछ झेलते हैं, और वे कहानी के अंदर इतने लंबे समय तक रहते हैं।" "यह अभिनय के बारे में नहीं है - यह पूरी तरह से संवेदनशील होने के बारे में है। यात्रा। किसी और से ऐसा चाहना मुश्किल है।ह्व मैकगफिन भारतीय दर्शकों द्वारा देखी गई किसी भी चीज से अलग है। यह एक निजी जासूस की कहानी है जिसे "मैकगफिन" नामक एक रहस्यमय व्यक्ति का पता लगाने के लिए काम पर रखा गया है। लेकिन वह जितना गहराई से खोजता है, दुनिया उतनी ही अजनबी होती जाती है - वास्तविकता, विश्वास और पागलपन को धुंधला करती जाती है। यह फिल्म एरिक दुबे की किताब द फ्लैट अर्थ कॉन्सपिरेसी से थोड़ी प्रेरणा लेती है, लेकिन उस आधार को अप्रत्याशित दार्शनिक और मनोवैज्ञानिक क्षेत्र में ले जाती है। यह फिल्म अरोड़ा की 2020 की फीचर फिल्म द पिकअप आर्टिस्ट की सफलता के बाद आई है, जो वर्तमान में अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग कर रही है।

मैकगफिन के साथ, वह एक और छलांग लगा रहे हैं - रचनात्मक और व्यक्तिगत दोनों रूप से - एक ऐसी कहानी पेश कर रहे हैं जो रहस्य, दिमागी खेल और सिनेमाई प्रयोग दोनों का मिश्रण है। "हर बार जब मैं सोचता हूं कि मैं कैमरे के पीछे रहूंगा," वे कहते हैं, "कहानी मुझे वापस खींच लेती है।"

अमित आनंद द्वारा संकलित फिल्म डेला बेला बदलेगी कहानी दूरदर्शन के ओटीटी प्लेटफॉर्म "वेव्स" पर हुई रिलीज

दिव्य दिल्ली : दूरदर्शन के चर्चित ओटीटी प्लेटफॉर्म "वेव्स" पर दर्शको को आजकल सीरियल्स, वेब सीरीज के साथ-साथ अलग-अलग विषयो पर अच्छी अच्छी नई-नई फिल्मे देखने का भरपूर मौका मिल रहा है। इस कड़ी में अब 18 जुलाई को दूरदर्शन के ओटीटी प्लेटफॉर्म "वेव्स" पर एक नई मनोरंजन प्रधान दिलचस्प फिल्म "डैला बैला" रिलीज हुई है जिसकी कहानी दर्शको के दिल को छू रही है। फिल्म को नीलेश के जैन ने निर्देशित किया है और

उन्होंने ही इस फिल्म के सॉन्ग और मुख्य संवाद लिखे है। इस फिल्म के एडिटर अमित आनंद है जो अब तक कई चर्चित फिल्मो के एडिटर रह चुके है। फिल्म "डेला बेला" भी उन्होंने बहुत ही शानदार तरीके से एडिट किया है दूरदर्शन के ओटीटी प्लेटफॉर्म "वेव्स" पर रिलीज हुई नई फिल्म "डैला बैला" निःसन्देश ही बहुत पसंद आएगी।

डेला बेला सिर्फ एक फि ल्म नहीं है, बल्कि यह भावनाओं, रिश्तों और अनपेक्षित मोड़ों से भरी एक दिल को छू लेने वाली खूबसूरत कहानी है, जो आपके मन को छू लेगी। इसमें बेहतरीन कलाकारों की टीम, दिलचस्प ड्रामा और नीलेश के. जैन की दमदार कहानी है।

नूरपुर में फोरलेन निर्माण बना सिरदर्द, बारिश में कीचड़ से बढ़ी मुसीबत

दिव्य दिल्ली : नूरपुर (विनय महाजन)

नूरपुर शहर के चौगान क्षेत्र में बन रहे राष्ट्रीय उच्च मार्ग (फोरलेन) के चलते बारिश के दिनों में मिट्टी और मलबा स्थानीय लोगों के लिए सिरदर्द बन गया है। वार्ड नंबर 3 के प्रवेश द्वार और पास की किराना दुकानों के सामने यह कीचड़ एक ब्लैक स्पॉट का रूप ले चुका है। बरसात में यहां से गुजरना लोगों के लिए जोखिम भरा हो गया है। पठानकोट-मंडी फोरलेन प्रोजेक्ट का कंडवाल से भाली तक करीब 37 किलोमीटर लंबा हिस्सा छह साल पहले शुरू हुआ था, लेकिन आज भी इसका बड़ा भाग अधूरा है। कुछ हिस्से पक्के हो चुके हैं, जबकि बाकी हिस्सों की हालत खराब है।

चक्की रेल पुल का निर्माण अंतिम चरण में, जल्द दौड़ेगी कांगड़ा घाटी की ट्रेन

दिव्य दिल्ली :नूरपुर (विनय महाजन)

पंजाब और हिमाचल को जोड़ने वाला बहुचर्चित चक्की रेल पुल अब अपने निर्माण के अंतिम चरण में है। कयास लगाए जा रहे हैं कि आगामी दो से तीन महीनों के भीतर इस पुल पर ट्रेन दौड़ सकती है, जिससे कांगड़ा घाटी रेल मार्ग पर रेल सेवा पुनः बहाल होगी। इससे न केवल स्थानीय लोगों को राहत मिलेगी, बल्कि हिमाचल प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा। गौरतलब है कि अगस्त 2022 में चक्की खड्ड में आई बाढ़ के कारण पुराना रेलवे पुल बह गया था, जिससे पठानकोट से हिमाचल आने-जाने वाली रेल सेवाएं बाधित हो गई थीं। केंद्र सरकार ने तत्परता दिखाते हुए करीब 70 करोड़ रुपये की लागत से नए पुल के निर्माण की स्वीकृति दी। निर्माण कार्य तेजी से जारी है और संबंधित एजेंसियां इसे शीघ्र पूर्ण करने में जुटी हुई हैं। कांगड़ा-चंबा लोकसभा सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज ने जानकारी दी कि पुल का निर्माण जल्द पूरा होने की संभावना है और कांगड़ा घाटी रेल सेवा में दो एसी डिब्बे जोड़ने की योजना भी बनाई गई है, ताकि पर्यटक इस रेल यात्रा की ओर आकर्षित हो सकें।

छन्नी में नशा माफिया पर बड़ी कार्यवाही, महिला आरोपी गिरफ्तार

दिव्य दिल्ली : नूरपुर (विनय महाजन)

पुलिस जिला नूरपुर द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस थाना डमटाल की टीम ने क्षेत्र छन्नी में छापेमारी के दौरान 12.98 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। यह कार्रवाई आशा पत्नी मिथुन उर्फ चापड़ निवासी गांव व डाकघर छन्नी, तहसील इन्दौरा, जिला कांगड़ा के रिहायशी मकान में की गई। मौके पर आरोपी महिला आशा को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके विरुद्ध अभियोग संख्या 102/25 दिनांक 06.08.2025 अधीन धारा 21-61-85 एनडीपीएस एक्ट के तहत पुलिस थाना डमटाल में मामला दर्ज किया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक अशोक रत्न, नूरपुर ने एक प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए बताया कि मामले में आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है और नशे के खिलाफ यह अभियान भविष्य में भी पूरी सख्ती से जारी रहेगा। उन्होंने यह भी बताया कि महिला आरोपी आशा और उसका पति मिथुन उर्फ चापड़ दोनों अभ्यस्त अपराधी हैं और इनके खिलाफ पहले भी पंजाब व हिमाचल में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

केलांग में 14 से 16 अगस्त तक होगा राज्य स्तरीय जनजातीय उत्सव, सांस्कृतिक समृद्धि और स्थानीय प्रतिभा का दिखेगा संगम

दिव्य दिल्ली : केलांग

केलांग में आगामी 14 से 16 अगस्त तक राज्य स्तरीय जनजातीय उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस बार का उत्सव स्थानीय सांस्कृतिक समृद्धि और लोक प्रतिभा के मंचन का भव्य संगम बनेगा। स्थानीय विधायक अनुराधा राणा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस उत्सव में लोगों को देशभर के उम्दा कलाकारों के साथ-साथ ज़िले के अपने लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां देखने और सुनने का सुनहरा अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि ज़िले के प्रमुख पारंपरिक मेलों–केलांग का जनजातीय उत्सव, त्रिलोकीनाथ का पोरी मेला और लदारचा उत्सव काजा में स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता दी जाएगी। इस बाबत जिला और उपमंडलीय प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि ऐसे कलाकारों को मंच प्रदान किया जाए, जिन्होंने निर्धारित समय-सीमा में आवेदन किया है। आपदा प्रबंधन विभाग को सतर्क रहने के आदेश दिए गए हैं ताकि आयोजन के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके। साथ ही आयोजकों को सुरक्षा और व्यवस्था के सभी प्रबंध पुख्ता करने के निर्देश दिए गए हैं। विधायक राणा ने कहा कि ऐसे उत्सव सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखने के साथ-साथ युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी प्रदान करते हैं। प्रशासन की सजगता से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि आयोजन सफल और सुरक्षित रूप से संपन्न हो।

रामपुर–संतोषगढ़ मार्ग पर अस्थाई बेली ब्रिज फिर बंद, भारी बारिश ने बढ़ाई प्रशासन की चिंता

दिव्य दिल्ली : ज्योति स्याल

जिला ऊना में रामपुर-संतोषगढ़ मार्ग पर बने अस्थाई बेली ब्रिज को एक बार फिर से वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है। देर रात हुई भारी बारिश के चलते पुल के पिलरों को सपोर्ट देने वाली कंक्रीट के नीचे की मिट्टी बह गई है, जिससे पुल के पिलरों के जमीन में धंसने का खतरा बना हुआ है। किसी बड़ी दुर्घटना से पहले ही प्रशासन ने ऐहतियातन पुल को बंद करने का निर्णय लिया है। ऊना सदर के विधायक सतपाल सिंह सती ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि इस पुल के स्थायी निर्माण के लिए 16 करोड़ रुपये की डीपीआर भेजी गई थी, लेकिन प्रदेश सरकार ने इस पर कोई रुचि नहीं दिखाई और मात्र 1 लाख रुपये का प्रावधान कर अपना पल्ला झाड़ लिया। उन्होंने बताया कि प्रशासन के पास फिलहाल पुल को बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। विधायक सती ने यह भी कहा कि वैकल्पिक मार्ग की हालत भी खराब है। बीजेपी सरकार के समय इस मार्ग को चौड़ा करने के लिए 4 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत हुई थी, लेकिन आज तक ठेकेदार द्वारा कार्य शुरू नहीं किया गया। स्थानीय लोग और उन्होंने खुद कई बार विभाग को इसकी जानकारी दी है, लेकिन आज भी लोग कीचड़ भरे रास्ते से होकर सफर करने को मजबूर हैं।

ब्राइडल कम्पटीशन और मेकअप सेमिनार अवॉर्ड शो में अभिनेत्री प्रियंवदा ने बटोरी सुर्खियाँ"

दिव्य दिल्ली : दिल्ली के जनकपुरी स्थित SK Precious Banquet में ब्राइडल कम्पटीशन एवं मेकअप सेमिनार अवॉर्ड शो का आयोजन किया गया। इस खास आयोजन का नेतृत्व हर्षिल रम्मन ने किया, जो नए टैलेंट को मंच देने के लिए जाने जाते हैं।इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री प्रियंवदा ने, जिनकी मौजूदगी ने माहौल को और भी खास बना दिया। मेकअप इंडस्ट्री के प्रसिद्ध एजुकेटर राहिल Makeovers ने सभी मेकअप आर्टिस्ट्स को एक लाइव मेकअप क्लास दी, जहाँ उन्होंने मेकअप के नए ट्रेंड्स और टेक्नीक्स पर उपयोगी टिप्स शेयर किए। साथ ही सभी आर्टिस्ट्स को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सर्टिफिकेट्स भी प्रदान किए। इस अवसर पर अभिनेत्री प्रियंवदा ने भी विनर्स को अपने हाथों से अवॉर्ड्स देकर सम्मानित किया और सभी मॉडल्स को उनके उज्जवल भविष्य के लिए ढेरों शुभकामनाएँ दीं। यह आयोजन न

केवल प्रतिभाओं को मंच देने का जरिया बना, बल्कि मेकअप इंडस्ट्री के नए आयामों को भी उजागर करता दिखा।

पदक विजेताओं का अभिनंदन

दिव्य दिल्ली : राम प्रकाश (अम्ब)

महाराण प्रताप राजकीय महाविद्यालय अम्ब,प्रशासन ने अस्मिता खेलो इंडिया महिला भारोत्तोलन लीग-2025 के पदक विजेताओं का कॉलेज पहुँचने पर गर्मजोशी से स्वागत और सम्मान किया। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ और हिमाचल भारोत्तोलन संघ के तत्वावधान में गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल, अंब में असाधारण कौशल का प्रदर्शन करने वाली विजेताओं को प्राचार्य प्रो. दर्शन कुमार और समस्त महाविद्यालय स्टाफ ने सम्मानित किया।सुहानी (बीए द्वितीय वर्ष) और सोनाक्षी राणा (बीए प्रथम वर्ष) ने रजत पदक जीते जबकि रूबी चौधरी (बीए तृतीय वर्ष) ने कांस्य पदक जीता।डॉ. पवन पटियाल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, विजेता अपनी रैंकिंग के आधार पर उत्तर प्रदेश के मोदीनगर में आगामी उत्तर क्षेत्र अस्मिता महिला भारोत्तोलन लीग में भाग लेंगी।इस अवसर पर डॉ. नितिन शर्मा, प्रो. अजय कुमार, डॉ. रजनीश कुमार, डॉ. अरुण कुमार और डॉ. अजय कुमार सहित स्टाफ के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

खड्ड में फंसे दंपत्ति को बचाने के लिए आरएस बाली का त्वरित एक्शन

दिव्य दिल्ली : नगरोटा

सेराथाना की धरूण खड्ड में फंसे एक दंपत्ति और उनके मवेशियों को पर्यटन निगम के अध्यक्ष एवं कैबिनेट रैंक मंत्री आरएस बाली की त्वरित कार्यवाही से सुरक्षित बाहर निकाला गया। स्वास्थ्य कारणों से दिल्ली में उपचाररत होने के बावजूद जैसे ही उन्हें इस घटना की जानकारी मिली, आरएस बाली ने तुरंत प्रशासन को अलर्ट मोड में डाला। उन्होंने एसडीएम को मौके पर भेजने के साथ-साथ एसडीआरएफ, सेना, डीसी और अग्निशमन विभाग से समन्वय स्थापित किया और स्वयं वीडियो कॉल के माध्यम से पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन को नेतृत्व प्रदान किया। बुधवार शाम को चटवार निवासी बलराज और उनकी पत्नी बिंता देवी अपने मवेशियों सहित भारी बारिश के चलते धरूण खड्ड में फंस गए थे। इसकी सूचना मिलते ही बाली ने रेस्क्यू कार्य तत्काल शुरू करने के आदेश दिए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एयरलिफ्टिंग तक की तैयारी कर ली गई थी। उन्होंने बताया कि स्थानीय अग्निशमन विभाग ने सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर लिया, लेकिन सभी एजेंसियों को स्टैंडबाय पर रखा गया था।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397